শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 261 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 25 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मोदी ने बिथान-समस्तीपुर रेल सेवा को दिखाई हरी झंडी — पेज 2
आतंकवाद ही असली दुश्मन, मोदी सबके साथ हैं : मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा — पेज 3
रिट्रीट सेरमनी में पाक रेंजरों से हाथ नहीं मिलाएंगे भारतीय सैनिक — पेज 5
खिलाड़ियों को आवेदन की जरूरत नहीं, अब सरकार खुद देगी इनाम : मनसुख मांडविया — पेज 7

आतंकियों को पीएम का सख्त संदेश, कहा–

कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी

मधुबनी। पहलगाम में आतंकी हमले की घटना के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार से आतंकियों को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में इस हमले की साजिश रचने वालों और इसे अंजाम देने वालों को चेताते हुए कहा कि उन्हें सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है, उससे पूरा देश व्यथित है। कोटि-कोटि देशवासी दुखी हैं। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। इन परिवारजनों का अभी इलाज चल रहा है। वे जल्द स्वस्थ हों, इसके लिए भी सरकार हर प्रयास कर रही है। इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने अपना भाई खोया, किसी ने अपना जीवनसाथी खोया। इनमें से –शेष पृष्ठ दो पर

पहलगाम पीड़ितों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए देगी राज्य सरकार : हिमंत

पाकिस्तान समर्थक आवाजों के खिलाफ चेतावनी दी

गुवाहाटी। सरकार ने गुरुवार को 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के 26 पीड़ितों के प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस सहायता को शोक संतप्त लोगों के साथ *एकजुटता का प्रतीक* बताया। जब आतंकवाद और उग्रवाद की बात आती है तो असम लंबे समय से भारत के सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्यों में से एक रहा है, इसलिए हम इन परिवारों के दर्द को गहराई से महसूस करते हैं। हालांकि असम सबसे समृद्ध राज्यों में से नहीं है, लेकिन हमें उम्मीद है कि यह इशारा उनके दुख की घड़ी में कुछ राहत देगा, उन्होंने कहा। मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान के प्रति समर्थन व्यक्त करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ भी सख्त चेतावनी जारी की तथा ऐसे समर्थकों से सख्ती से निपटने की कसम खाई। प्रेस से बात करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे पड़ोसी देश का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बचाव करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि हम उन सभी को ढूंढ निकालेंगे जो पाकिस्तान का बचाव करने की कोशिश कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले के संबंध में सोशल मीडिया पर विवादास्पद टिप्पणी करने पर एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम की हाल ही में हुई गिरफ्तारी का हवाला देते हुए शर्मा ने कहा कि वीडियो की विषय-वस्तु से लगता है कि यह पाकिस्तान का बचाव करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि मैंने वीडियो की समीक्षा की है और ऐसा लगता है कि इसे पाकिस्तान का बचाव करते हुए पोस्ट किया गया है। मैंने डीजीपी को कार्रवाई करने का निर्देश दिया और विधायक को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। पहलगाम की घटना के बाद असम में पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा कड़ी किए जाने के संबंध में पूछे गए –शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस सांसद ने पाकिस्तान की यात्रा गुपचुप तरीके से की : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बगैर नाम लिए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को लेकर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि असम के कांग्रेस सांसद ने भारत सरकार और असम सरकार को सूचित किए बिना पाकिस्तान की 15 दिन की यात्रा की। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सांसद का नाम लिए बिना कहा कि यह यात्रा अटारी बॉर्डर के जरिए जमीन मार्ग से की गई, ताकि हवाई अड्डों पर सुरक्षा जांच से बचा जा सके। शर्मा ने यह भी बताया कि इसी अवधि में उक्त सांसद नेपाल और दुबई भी गए थे- ऐसे देश जहां, –शेष पृष्ठ दो पर

पहलगाम हमला : विवादित बयान देने वाले एआईयूडीएफ विधायक गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम पुलिस ने गुरुवार को ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के धिंग से विधायक अमीनुल इस्लाम को विवादास्पद बयान देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि विधायक के खिलाफ नगांव पुलिस थाने में धारा 152/196/197(1)/113(3)/352/353 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। विधायक ने दावा किया था कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला केंद्र सरकार की साजिश है। इस बीच, पार्टी प्रमुख ने इस्लाम के बयान के खुद को अलग कर लिया है। जबकि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को ही कहा था कि जो भी असम की भूमि से पाकिस्तान का समर्थन करेगा, चाहे वह कितना ही बड़ा व्यक्ति क्यों न हो, हम उसे –शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

पुस्तकें एक मुर्ख आदमी के लिए वैसे ही हैं, जैसे एक अंधे के लिए आइना।

– **आचार्य चाणक्य**

राज्य में एक लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं दिसंबर तक शुरू होंगी : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि एडवांटेज असम बिजनेस समिट के दौरान मिले एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव इस साल के अंत तक लागू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि लागू की जाने वाली परियोजनाओं में सरकारी और निजी दोनों संगठनों का निवेश शामिल है। इस साल फरवरी में दो दिवसीय बिजनेस समिट के दौरान राज्य को 5.18 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले थे। यहां एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि इस साल दिसंबर तक एडवांटेज असम समिट के दौरान घोषित एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं पर काम शुरू हो जाएगा। किसी अन्य राज्य में जहां इस तरह के शिखर सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं, इतनी तेजी से –शेष पृष्ठ दो पर

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ सभी दल एकजुट, सरकार के हर एक्शन का करेंगे समर्थन

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की स्मृति में गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में सर्वदलीय बैठक के दौरान दो मिनट का मौन रखा गया। केंद्र सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई है। सूत्रों के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की। सर्वदलीय बैठक करीब दो घंटे तक चली। बैठक के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहलगाम हमले की जानकारी दी। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सभी दलों ने घटना की निंदा की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सरकार के किसी भी एक्शन का समर्थन करेंगे। टीएमसी के सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि सुरक्षा चूक पर चर्चा की गई, सभी पार्टियां आतंकवाद से निपटने में सरकार के साथ हैं। सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि रक्षा मंत्री ने सीसीएस की बैठक में पहलगाम में हुई घटना और भारत सरकार द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी दी। यह घटना बहुत दुखद है। जिससे देश में हर कोई चिंतित है, इसी को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने भी आज और कड़ी कार्रवाई करने की मंशा जाहिर की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, –शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पहलगाम हमले के आतंकियों पर 20-20 लाख रुपए का इनाम घोषित

श्रीनगर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शामिल तीन आतंकियों के स्केच बुधवार को जारी किये और आज इन पर 20-20 लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। पहला –शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तानी रेंजर्स ने बीएसएफ जवान को पकड़ा

चंडीगढ़ (हि.स.)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान को फिरोजपुर सीमा पर बुधवार को पाकिस्तानी रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया है। जवान की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए फ्लैग मीटिंग बुलाई गई है। बीएसएफ ने बीते 24 घंटे के दौरान सीमावर्ती इलाकों से दो पाकिस्तानी ड्रोन और हेरोइन की तीन खेप को बरामद किया है। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ का एक जवान ड्यूटी के दौरान गलती से पंजाब के फिरोजपुर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर गया था। इसके बाद इस बीएसएफ जवान को बुधवार 23 अप्रैल को पाकिस्तानी रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया है। वरिष्ठ अधिकारी –शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान ने दी परमाणु हथियारों की गीदड़ धमकी, कहा–

सिंधु जल समझौते को रोकना युद्ध माना जाएगा

नई दिल्ली। पहलगाम में भारतीय पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत के बेहद आक्रामक तेवर और इस मामले में अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी की तरफ से भारत को मिल रहे समर्थन को देखने के बाद पाकिस्तान अब परोक्ष तौर पर परमाणु हथियारों की धमकी देने पर उतर आया है। गुरुवार को पीएम शाहबाज शरीफ की अध्यक्षता में नेशनल सिक्यूरिटी कमिटी (एनएससी) की बैठक हुई। बैठक में सिंधु जल समझौते को रद करने के भारत के फैसले को युद्ध के तौर पर लेने का फैसला किया गया है। साथ ही पाकिस्तान ने कहा है कि सिंधु जल समझौते का उल्लंघन करते हुए अगर नदियों का पानी रोका जाता है –शेष पृष्ठ दो पर

परीक्षण : भारत ने छोड़ी मिसाइल हिल गया पूरा पाकिस्तान

नई दिल्ली। एक तरफ घाटी में गोलियों की आवाज गूंजी। पहलगाम में कायराना आतंकी हमले से देश गम और गुस्से में डूबा था। दूसरी तरफ अरब सागर आईएनएस सूरत की दहाड़ से गूंज उठा। भारत ने फिर दुनिया को दिखाया कि हम केवल सहते नहीं बल्कि जवाब देना भी जानते हैं। दरअसल, ये भारत की सबसे स्वदेशी और आधुनिक युद्धपोत आईएनएस सूरत है। भारतीय नौसेना का ये शेर दुश्मनों के लिए चेतावनी बन चुका है। भारतीय नौसेना ने गुरुवार को –शेष पृष्ठ दो पर

बिना सुनवाई के लंबे समय तक जेल में नहीं रखा जा सकता आरोपी : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अगर किसी व्यक्ति को बिना मुकदमा चले लंबे समय तक जेल में रखा गया है, तो उसे सजा मान लेना सही नहीं है। शीर्ष कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के एक ड्रग्स मामले में गिरफ्तार आरोपी को जमानत दी। जस्टिस बी. आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने देखा कि याचिकाकर्ता पिछले पांच साल दो महीने से जेल में है, जबकि यह मामला 2019 में दर्ज हुआ था और मुकदमा अब तक शुरू नहीं हुआ है। राज्य सरकार के वकील ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि जिस सह-आरोपी को जमानत मिली थी, वह कोर्ट में पेश नहीं हो रहा है। इस पर कोर्ट ने कहा कि इस कोर्ट ने कई मामलों में कहा है कि बिना मुकदमा शुरू हुए किसी को लंबे समय तक जेल में रखना और उसे सजा मान लेना कानून के खिलाफ है। यह सुनवाई आरोपी की उस याचिका पर हो रही थी, जिसमें उसने मार्च 2023 में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा जमानत खारिज करने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। जब राज्य की तरफ से यह दलील दी गई कि सह-आरोपी कोर्ट नहीं आ रहा है, तब बेंच ने कहा, राज्य को हमेशा यह अधिकार है कि वह उसकी जमानत रद्द करवाने के लिए कदम उठाए। लेकिन सिर्फ इस वजह से याचिकाकर्ता को सजा नहीं दी जा सकती कि दूसरा आरोपी कोर्ट नहीं आ रहा है। कोर्ट ने आदेश दिया कि ग्रेटर नोएडा में दर्ज इस मामले में याचिकाकर्ता को निचली कोर्ट द्वारा तय शर्तों के आधार पर जमानत दी जाए।

आरोपी को जनवरी 2019 में गिरफ्तार किया गया था, यह मामला मादक पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) के तहत दर्ज है। हाईकोर्ट में आरोपी ने कहा था कि उसे उस जगह से गिरफ्तार नहीं किया गया जहां से 150 किलो गांजा बरामद हुआ था। उसके वकील ने हाईकोर्ट में दलील दी थी कि बाकी सभी सह-आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है, इसलिए उसे भी समानता के आधार पर जमानत मिलनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सरकारों को आदेश दिया कि वे ठोस कचरे के 100 प्रतिशत संग्रह और छंटाई (सेग्रिगेशन) की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति करें। जस्टिस अभय एस. –शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति से मिले अमित शाह और जयशंकर पहलगाम आतंकी हमले पर दिया अपडेट

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आज केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। जिसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे, वहीं कांग्रेस पार्टी ने मांग की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बैठक की अध्यक्षता करें। इस बैठक से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है। सर्वदलीय बैठक से पहले अमित शाह और विदेश मंत्री जयशंकर इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उनको पहलगाम आतंकी हमले की जानकारी दी है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमले के बाद पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा पर कैबिनेट समिति ने कई अहम फैसले लिए हैं। इसमें पाकिस्तान –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मोदी ने बिथान-समस्तीपुर रेल सेवा को दिखाई हरी झंडी

आजादी के बाद पहली बार रेल सेवा की शुरुआत

पटना/मधुबनी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मधुबनी से बिथान-समस्तीपुर के बीच रेल सेवा को आज (गुरुवार) हरी झंडी दिखायी। आजादी के बाद पहली बार बिथान से ट्रेन सेवा की शुरूआत हुई है। इससे इलाके में जश्न का महौल है। उधर रेल लाइन के शुरू होने से मिथिलांचल में विकास रफ्तार भरेगा। बिथान में आवागमन की सुविधा सुलभ नहीं होने के कारण इस इलाके के लोगों को बाढ़ के दौरान हसनपुर आने के लिए नाव ही एक मात्र सहारा था। हसनपुर-सकरी के बीच 79 किलोमीटर रेल परियोजना पर पिछले 50 साल से काम चल रहा है। हाल ही में रेलवे ने पक्षी विहार के कारण 50वें साल में जाकर कुशेश्वर पक्षी विहार के पास रेलवे लाइन का रूट बदल दिया है। हसनपुर से बिथान करीब 11 किलोमीटर रेल लाइन पिछले वर्ष ही बन कर तैयार हो गया था। सीआरएस ने निरीक्षण के दौरान ट्रेन चलाने की अनुमती भी प्रदान कर दी थी। लेकिन ट्रेन सेवा शुरू नहीं हो पाई थी। बीथान-हसनपुर रेलवे लाइन की वर्ष 1951 में योजना के लिए जांच की गई थी। वर्ष 1953 में रेलवे बोर्ड ने कहा कि बाढ़ के इलाके में यह संभव नहीं हो सकेगा। वर्ष 1972 में तत्कालीन रेलमंत्री ललित नारायण मिश्रा ने सर्वे की घोषणा की थी। इसी बीच समस्तीपुर स्टेशन पर बम विस्फोट में ललित बाबू की हत्या हो गई। इसके बाद इस योजना की फाइल बंद कर दी गई। वर्ष 1997 में रेल मंत्री रहे रामविलास पासवान ने इस योजना को मिथिलांचल के विकास के लिये जरूरी बताते हुए पुन: फाइल खोली और फंड उपलब्ध कराकर शिलान्यास भी किया। इस इलाके में रेलवे लाइन के बनने से आवागमन सुलभ होने से विकास की गति तेज होगी। चूंकि यह इलाका बाढ़ प्रभावित है। साल में छह महीना इस इलाके के लोग बाढ़ की पीड़ा झेलते हैं। लोगों के आवागमन की सुविधा सिर्फ नाव से ही रहती है। उधर रामविलास पासवान के रेल मंत्री से हटते ही कई वर्षों तक इस योजना को राशि नहीं मिली।

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। पानबाजार थाना क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे गेट नंबर-2 पर पानबाजार पुलिस ने एक अभियान चलाकर एक व्यक्ति को मादक पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया। असम पुलिस के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान हातीगांव निवासी आमिर अली (36) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से काले रंग की एक प्लास्टिक पॉलिथीन बरामद की, जिसमें 12 प्लास्टिक वायल्स में भरी हेरोइन पाई गई। जब्त हेरोइन का कुल वजन वायल्स समेत 15.75 ग्राम बताया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

सोनीपत : लड़कियों की घटती संख्या पर नौ गांवों में होंगे जागरूकता शिविर

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत जिले के नौ गांवों में बेटियों की घटती संख्या ने चिंता बढ़ा दी है। इन गांवों में प्रति हजार लड़कों पर केवल सात सौ या उससे भी कम लड़कियां दर्ज की जा रही हैं। यह आंकड़ा समाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर खतरे का संकेत है। वर्षों से इस संकट को नजर अंदाज करने वाले स्वास्थ्य विभाग की अब नींद टूटी है। हरियाणा के स्वास्थ्य महानिदेशक ने सख्त निर्देश जारी करते हुए 25 अप्रैल से जागरूकता शिविर आयोजित करने के आदेश दिए हैं। इन गांवों जफरपुर, बुलंद गढ़ी, लड़सौली, झुंडपुर, मल्हा माजरा, किड़ोली, आनंदपुर, माजरी और ग्यासपुर में लिंगानुपात की स्थिति लंबे समय से चिंताजनक बनी हुई है। इसके बावजूद प्रशासनिक उदासीनता के चलते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अब स्वास्थ्य विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ मिलकर इन गांवों में जागरूकता अभियान चलाएगा। शिविरों में ग्रामीणों, स्थानीय अधिकारियों और कर्मियों को बेटियों की महत्ता, लिंग समानता और सामाजिक संतुलन की आवश्यकता पर प्रेरणादायक भाषणों और पोस्टर प्रदर्शनों के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने इन शिविरों की व्यापक मीडिया कवरेज के निर्देश भी दिए हैं। यह एक प्रयास है विभाग की छवि सुधारने का, परंतु असली जरूरत है दीर्घकालिक नीति और उसकी सख्त निगरानी की। यदि समय रहते ठोस और नियमित प्रयास नहीं किए गए, तो बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ महज एक नारा बनकर रह जाएगा।

पहलगाम में हुई आतंकी घटना सभ्य समाज पर कलंक : चौधरी भूपेंद्र सिंह

मुरादाबाद (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना सभ्य समाज पर कलंक है। हमारी सुरक्षा एजेंसियां सजग हैं। निश्चित रूप से केंद्र सरकार ऐसी कार्रवाई करेगी, जो पाकिस्तान व आतंकियों के लिए नजीर बनेगी। यह बात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहीं। गुरुवार सुबह लखनऊ रवाना होने से पहले चौधरी भूपेंद्र सिंह ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए पहलगाम में हुई आतंकी घटना पर दु:ख जताया और कहा कि पहली बार आतंकियों ने धर्म पूछकर लोगों को निशाना बनाया।

विश्व नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर जताई भारत के साथ एकजुटता

नई दिल्ली (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख दिखाया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की और आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से भारत के साथ खड़े होने का संकल्प दोहराया। जार्डन के किंग और जापान के प्रधानमंत्री ने भी फोन कर हमले में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत के लोगों और पीड़ित परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने भारतीय धरती पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हमले की कड़ी निंदा की और भारतीयों के साथ पूर्ण समर्थन और एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह की बर्बरता पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनके देश का पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी से जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। दोनों नेताओं ने आतंकवाद को मानवता के लिए गंभीर खतरा बताया और इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए। जार्डन के किंग अब्दुल्ला इब्न अल-हुसैन ने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर सहमति जताई है कि आतंक के हर रूप की निंदा की जानी चाहिए और इसे किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन नेताओं के साथ बातचीत के दौरान हमले की पृष्ठभूमि, इसके *सीमापार चरित्र* और आतंकवादी संगठनों की भूमिका पर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह हमला किस तरह निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने के उद्देश्य से किया गया था और इसमें विदेशी तत्वों की संलिप्तता के संकेत मिले हैं।

MISSING INFORMATION

Guljan Basfor —17 YEARS OLD.

The above is a photograph of a missing minor boy, namely **Guljan Basfor,** who is 17 years old. The complainant is Montu Basfor, S/o Lt. Hordew Basfor, R/o Bilasipara W/No. 12, P.S. Bilasipara, Dist. Dhubri, Assam. Guljan Basfor has been missing from complainant house, as reported by the complainant at Bilasipara P.S.

On receipt of the information, a missing entry vides Bilasipara P.S. GDE No. 19 dated 21.04.2025 was made and investigated into for tracing out the missing boy.

The descriptive roll of the missing boy as follows:-

1. Name - Guljan Basfor.
2. Father's name - Montu Basfor.
3. Age - 17 years.
4. Height - 5 Feet 3 Inch.
5. Face - Long.

All effort may kindly be taken to trace out the above boy with intimation to the undersigned.

Superintendent of Police,
Dhubri, Assam

-- DIPR /D/VBS/4/25-Apr-25

पृष्ठ एक का शेष

कल्पना से भी...

कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी, कोई गुजराती था, कोई यहां बिहार का लाल था। आज उन सभी की मृत्यु पर करगिल से कन्याकुमारी तक हमारा दुख और आक्रोश एक जैसा है। यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज बिहार की सरजमीं से मैं पूरी दुनिया से यह कहना चाहता हूं कि भारत इन लोगों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और हर आतंकी तथा उनकी मदद करने वालों को सजा देगा। हम उन्हें पृथ्वी के अंतिम छोर तक खदेड़ देंगे। भारत की आत्मा को आतंकवाद कभी नहीं तोड़ सकता। इंसाफ मिले, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस दुनिया में जो भी इंसानियत के पक्ष में है, वह हमारे साथ है। इस वक्त दुनिया में जो हमारे साथ खड़ा है, हम उनके शुक्रगुजार हैं। पीएम मोदी के संबोधन से पहले, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने भी पहलगाम हमले पर अपनी प्रतिक्रिया दी। मंच से बोलते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम में एक घटना हुई जिससे आप मर्माहत है और आपके साथ पूरा देश मर्माहत है। इसके पहले भी पुलवामा में आतंकी घटना हुई थी पूरा देश आपके साथ था और आज इस आतंकवाद की घटना के बाद भी पूरा देश आपके साथ है और आपकी शक्ति पर इस देश के लोगों को भरोसा है कि आप समय पर उन्हें कड़ा जवाब देंगे। बिहार के सभी केंद्रीय मंत्रियों के साथ क्षेत्रीय सांसद-विधायक के अलावा सत्तारूढ़ दलों के सभी एमपी व कई एमएलए-एमएलसी इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे हुए थे। सभी ने पीएम मोदी का स्वागत किया। पहलगाम हमले के कारण इस सभा में तामझाम नहीं रखा गया है। सादगी से कार्यक्रम करने की घोषणा की गई है।

पहलगाम पीड़ितों के परिजनों ...

प्रश्न के उत्तर में शर्मा ने कहा कि पुलिस बलों को विशेष रूप से बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच विकसित होते संबंधों के मद्देनजर सतर्क रहने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम बांग्लादेश को लेकर चिंतित हैं। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुई नजदीकियों को देखते हुए हम बेहद सतर्क हैं।

कांग्रेस सांसद ने पाकिस्तान ...

उनके अनुसार, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई *काफी सक्रिय* रहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कोई सामान्य मामला नहीं है। सांसद ने किसी भी सरकारी प्राधिकरण को सूचना नहीं दी। इस यात्रा के दौरान किसी सार्वजनिक कार्यक्रम की जानकारी नहीं है। यह पूरा मामला गुप्त तरीके से हुआ। मुख्यमंत्री ने एक और सनसनीखेज दावा करते हुए बताया कि सांसद की पत्नी को दिल्ली में रहते हुए तीन वर्षों तक एक पाकिस्तानी संगठन से वेतन मिला। उन्होंने कहा कि हमारे पास दस्तावेजी प्रमाण हैं और उस संगठन के सदस्यों के बयान भी हैं जो इस लेन-देन की पुष्टि करते हैं। यह मामला अब एक विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच के अधीन है। एसआईटी जून या जुलाई में सांसद और उनके परिवार से पूछताछ करेगी और बयान दर्ज करेगी। पूरी रिपोर्ट सितंबर से पहले सामने लाए जाने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा अति गंभीर विषय है। एसआईटी यह भी जांच करेगी कि पाकिस्तान और नेपाल की यात्राएं आपस में जुड़ी थीं या स्वतंत्र रूप से की गईं। जनता के सामने सच लाना हमारी प्रतिबद्धता है।

पहलगाम हमला : विवादित...

नहीं बख्शेंगे। धिंग से विधायक अमीनुल इस्लाम ने बुधवार को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह 2018 के पुलवामा हमले के पीछे थे और अब वही लोग पहलगाम हमले में भी शामिल हैं। यह बयान उन्होंने अपने क्षेत्र में होने वाले आगामी पंचायत चुनावों के लिए पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार के दौरान दिया। उन्होंने कहा था कि मुझे लगता है कि पुलवामा हमले में, जिसमें 2018 में केंद्र सरकार की भूमिका थी। भाजपा ने पुलवामा हमले के मुद्दे पर 2019 के आम चुनावों में मतदाताओं का ध्रुवीकरण किया और चुनाव जीता। मैंने जांच की मांग की थी लेकिन कुछ नहीं हुआ। मुझे विश्वास है कि जैसे पुलवामा में हुआ, वैसे ही नरेंद्र मोदी सरकार की पहलगाम हमले में भी भूमिका है। अगर सरकार सच सामने नहीं लाती है, तो हमें मानने के लिए बाध्य होना पड़ेगा कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों इन दोनों हमलों के पीछे थे। इसके अलावा, इस्लाम ने यह भी दावा किया था कि आतंकियों ने हमला करते समय पीड़ितों की पहचान की पुष्टि नहीं की थी और अंधेरे का फायदा उठाकर पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। जबकि उल्लेखनीय रूप से यह हमला दोपहर के समय हुआ था और घटना के वीडियो भी सामने आए हैं। साथ ही, कई बचे हुए लोगों ने पुष्टि की है कि हमलावरों ने पीड़ितों का धर्म जानने के बाद उन पर हमला किया। अमीनुल इस्लाम के बयान के बाद आक्रोश फैल गया, जिसके चलते पुलिस ने उन्हें नगांव जिले के धिंग स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। अब उन्हें पूछताछ के लिए धिंग से गुवाहाटी स्थानांतरित किया जा रहा है। इस बीच, एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने पार्टी विधायक अमीनुल इस्लाम के उस विवादास्पद बयान से अपनी पार्टी को अलग कर लिया है। अजमल ने कहा कि मुझे बताया गया है कि पार्टी के विधायक अमीनुल इस्लाम को पहलगाम हमले पर उनके बयान के कारण गिरफ्तार किया गया है। मैंने उनका बयान सुना है, और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। अजमल ने स्पष्ट किया कि इस्लाम के विचार उनके व्यक्तिगत विचार हैं और पार्टी की आधिकारिक सोच नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम अपने राज्य की सरकार के साथ खड़े हैं, क्योंकि आतंकवादी न जाति देखते हैं, न धर्म। असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा ने पाकिस्तान का समर्थन करने वालों को लेकर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि असम की धरती पर कोई भी, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अगर पाकिस्तान का पक्ष लेता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। पंचायती चुनाव में वक्तव्य देते हुए, हिमंत ने कहा कि खुले कानों से सुन लो, अगर असम की धरती पर कोई पाकिस्तान की दलाली करेगा, तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि मैंने सोशल मीडिया पर देखा है कि कुछ लोग यहां पाकिस्तान का समर्थन कर रहे हैं। मैं साफ कर देना चाहता हूं—असम की धरती से जो भी पाकिस्तान का समर्थन करेगा, चाहे वह कोई भी हो, कितना भी ताकतवर क्यों न हो, हम ऐसे गद्दारों को नहीं छोड़ेंगे।

राज्य में एक लाख ...

कार्यान्वयन सुनिश्चित नहीं होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं में गुवाहाटी रिंग रोड भी शामिल है, जिसकी आधारशिला सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रखेंगे। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री 8 सितंबर को भारत रत्न भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी समारोह के उद्घाटन के लिए आएंगे। उन्होंने एक शानदार समारोह के लिए अपने सुझाव भी दिए हैं। हम जल्द ही आयोजन समिति का गठन करेंगे, जिसके लिए हमने पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों को सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि एक स्मारक सिक्के के लिए वित्त मंत्रालय और आरबीआई के साथ बातचीत शुरू हो गई है, जबकि साल भर चलने वाले समारोह के लिए और कार्यक्रम तय समय में तैयार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जन्म शताब्दी समारोह में भाग लेने के लिए यात्रा के दौरान, मोदी जी 7,500 करोड़ रुपए की गुवाहाटी रिंग रोड की नींव रखेंगे, जिसमें नारेंगी और कुरुवा के बीच ब्रह्मपुत्र पर एक पुल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के खर्च का 50 प्रतिशत वहन करेगी और निर्माण कंपनी को वन रॉयल्टी और जीएसटी की प्रतिपूर्ति करेगी। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार रिंग रोड परियोजना के लिए 1,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च करेगी, जबकि केंद्र सरकार ने व्यवहार्यता अंतर के रूप में 3,000 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी नुमालीगढ़ रिफाइनरी की बायो-रिफाइनरी का भी उद्घाटन करेंगे, जो देश की पहली ऐसी सुविधा है जहां बांस का उपयोग इथेनॉल बनाने के लिए किया जाएगा। व्यापार शिखर सम्मेलन के दौरान घोषित अन्य परियोजनाओं के अलावा, शर्मा ने कहा कि ब्रह्मपुत्र घाटी उर्वरक निगम लिमिटेड (बीवीएफसीएल), नामरूप के मौजूदा परिसर के भीतर नए ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया कॉम्प्लेक्स के लिए निविदा सितंबर तक जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि *असम फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड* नाम के नए कॉम्प्लेक्स पर काम दिसंबर तक शुरू हो जाएगा। शर्मा ने कहा कि नई कंपनी के निर्माण के दौरान बीवीएफसीएल के कामकाज को जारी रखने का केंद्र का फैसला स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि दोनों कंपनियों का विलय किया जाएगा या अलग-अलग इकाई के रूप में रखा जाएगा, यह नई कंपनी के चालू होने के बाद तय किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 दिनों में अदानी समूह के अधिकारियों के साथ उनकी दो बैठकें हुईं, जिसके दौरान उन्हें बताया गया कि समूह द्वारा विकसित किए जा रहे गुवाहाटी में नए हवाई अड्डे के टर्मिनस का उद्घाटन अक्तूबर में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापार शिखर सम्मेलन के दौरान समूह द्वारा घोषित गुवाहाटी एयरोसिटी परियोजना पर काम अक्तूबर में शुरू होगा। और अगर हम जमीन और अन्य आवश्यक रसद प्रदान कर सकते हैं, तो वे सभी प्रस्तावित परियोजनाओं पर काम शुरू करने के इच्छुक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो और परियोजनाएं - गुवाहाटी और सिलचर के बीच एक ग्रीनफील्ड राजमार्ग, और नुमालीगढ़ और गोहपुर के बीच ब्रह्मपुत्र के नीचे एक सुरंग - भी मंजूरी के करीब हैं।

पहलगाम आतंकी हमले ...

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, विदेश मंत्री एस जयशंकर, कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी और अन्य प्रमुख नेता बैठक में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, राम गोपाल यादव (सपा), सुप्रिया सुले (राकांपा-सपा), श्रीकांत शिंदे (राकांपा), प्रफुल्ल पटेल (राकांपा), प्रेम चंद गुप्ता (राजद), तिरुचि शिवा (द्रमुक), सस्मित पात्रा (बीजद), संजय सिंह (आप), सुदीप बंदोपाध्याय (टीएमसी), मिथुन रेड्डी (वाईएसआरसी), और भाजपा के अनिल बलूनी भी बैठक में मौजूद थे। साल 2019 के पुलवामा हमले में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे। हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े जवाबी कदम उठाए हैं। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक हुई। इस बैठक में भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को तब तक रोकने रखने का फैसला किया। जब तक कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं कर देता और उसने एकीकृत अटारी चेक पोस्ट को बंद कर दिया है। इसके साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा भी रद्द करने फैसला किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में शामिल होने के बाद आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि पूरा देश गुस्से में है, दुखी है और देश चाहता है कि केंद्र सरकार आतंकियों को उनकी भाषा में मुंहतोड़ जवाब दे। जिस तरह से उन्होंने निर्दोष लोगों की हत्या की है, उनके कैंपों को नष्ट किया जाना चाहिए और पाकिस्तान के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह घटना 22 अप्रैल को हुई और 20 अप्रैल को बिना सुरक्षा एजेंसियों की जानकारी के उस जगह को खोल दिया गया। सुरक्षा एजेंसियों को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। हमने मांग की है कि जवाबदेही तय की जानी चाहिए और कार्रवाई की जानी चाहिए कि सुरक्षा में चूक क्यों हुई।

पाकिस्तानी रेंजर्स ने ...

ने बताया कि जवान की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए फ्लैग मीटिंग बुलाई गई है। इस संबंध में बीएसएफ प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद बीएसएफ ने सीमावर्ती क्षेत्र में लगातार सर्च आपरेशन चलाया हुआ है और इलाके में गश्त को तेज कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बीएसएफ ने बीते 24 घंटे के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए अमृतसर में सीमा पार तस्करी के कई प्रयासों को विफल किया है। बीएसएफ ने गांव हरदो रतन, महावा, राजाताल और गल्लूवाल के पास के खेतों से दो पाकिस्तानी ड्रोन और हेरोइन की तीन खेप को बरामद किया है। इन पैकेटों में 1.6 किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद हुई है। इसके अलावा एक पिस्तौल और पिस्तौल के पुर्जे और गोला-बारूद भी जब्त किया गया है। प्रवक्ता के अनुसार बरामदगी में एक डीजेआई माविक-3 क्लासिक और एक डीजेआई एयर-3 एस ड्रोन है। उन्होंने बताया कि तस्करी के सामान को पीले टेप से बांध कर सुरक्षित किया गया था। बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ तेजी से संयुक्त अभियान और तकनीक आधारित जवाबी कार्रवाई करते हुए यह बरामदगी की है।

सिंधु जल समझौते ...

या उसे दूसरी तरफ भेजा जाता है तो उसे युद्ध के तौर पर लिया जाएगा और उसका जवाब राष्ट्रीय शक्ति की सारी ताकतों के साथ दिया जाएगा। बाद में प्रेस कांफ्रेंस में जब इस घोषणा का मतलब पूछा गया तो पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक दार ने कहा कि जो भी हमें कदम उठाने होंगे, हम उसके लिए तैयार हैं। इसमें शिमला समझौते को स्थगित करना भी शामिल है। एनएससी की बैठक के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में पाक के विदेश मंत्री के अलावा रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, सूचना मंत्री अट्टा तरार समेत कुछ और कैबिनेट मंत्री शामिल थे। बेहद शोर-शराबे वाले इस प्रेस कांफ्रेंस में इन नेताओं के बीच एक तरह से भारत के खिलाफ जहर उगलने की प्रतिस्पर्धा हो रही थी। पूर्व में अपने अनर्गल बयानों के लिए प्रसिद्ध रक्षा मंत्री आसिफ ने कहा कि उनकी एजेंसियों ने सूचना दी है कि भारत पूरे पाकिस्तान में आम नागरिकों को मारने की कोशिश करेगा और अगर ऐसा हुआ तो हम बता रहे हैं कि भारत के नागरिक भी सुरक्षित नहीं होंगे। पीएम नरेंद्र मोदी के लिए भी बेहद आपत्तिजनक भाषा का उन्होंने इस्तेमाल किया। इसी तरह से सूचना मंत्री तरार ने दम भरा कि एक दिन पहले भारत ने सिर्फ हमें धमकी दी है लेकिन हमने आज जो फैसला किया है वह उनको दोगुना जवाब है। हम आखिरी हद तक जाएंगे। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्हें 28-29 अप्रैल को बांग्लादेश जाना था जिसे मौजूदा हालात को देखते हुए टाल दिया गया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने उक्त बैठक के बाद जो प्रेस विज्ञप्ति जारी की है वह उसकी मंशा को उजागर करता है। इसमें कश्मीर के मुद्दे पर पुराना राग तो अलापा ही गया है साथ ही भारत की राजनीतिक स्थिति, यहां अल्पसंख्यकों की स्थिति और हाल ही में पारित वक्फ संशोधन विधेयक के मुद्दे का भी बेहद आपत्तिजनक तरीके से जिक्र किया गया है। यही नहीं जिस तरह से कुछ दिन पहले पाकिस्तानी सेना के चीफ आसीम मुनीर ने हिंदू व मुसलमानों को दो अलग-अलग राष्ट्र बताया था उसकी झलक भी इस प्रेस विज्ञप्ति में मिलती है। इसमें कहा गया है कि भारत की तरफ से किए गए युद्ध जैसे फैसले मुहम्मद अली जिन्ना की दो-राष्ट्र सिद्धांत को सही ठहराता है। यह सिद्धांत वर्ष 1940 के पाकिस्तान प्रस्ताव में भी था जो पाकिस्तानी राष्ट्र की भावना को बताता है। यह बताता है कि आतंकवाद पर अंतर्राष्ट्रीय फलक पर अलग थलग पड़ने व कश्मीर मुद्दे को किसी भी तरह से अपनी दाल गलती नहीं देख पाकिस्तान पर भारत पर नई मानसिकता के साथ हमला करने की योजना बना चुका है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि हम पर्यटकों की जान जाने पर अपना दुख व्यक्त करते हैं लेकिन 23 अप्रैल को भारत ने जो फैसला किया है वह अन्यायपूर्ण, राजनीति से प्रेरित और गैर जिम्मेदाराना है। पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना हवाई मार्ग भी रोकने की घोषणा की है। साथ ही भारत से हर तरह के सीधा या तीसरे देशों के जरिए होने वाले कारोबार को बंद करने का फैसला भी किया है।

परीक्षण : भारत ने छोड़ी ...

घोषणा की कि उसके नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक, आईएनएस सूरत ने समुद्र की सतह पर उड़ रहे एक तेज, कम उड़ान वाले मिसाइल लक्ष्य को सफलतापूर्वक रोका और नष्ट कर दिया। सफल परीक्षण भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह परीक्षण जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के तुरंत बाद किया गया है, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी और इसे पाकिस्तान के लिए एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसकी आईएसआई और सेना ने कथित तौर पर नरसंहार की साजिश रची थी। यह ऐसे समय में भी हुआ है जब पाकिस्तान ने 24 और 25 अप्रैल के बीच अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतर कराची तट से सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण करने की योजना का संकेत देते हुए एक समुद्री सलाह जारी की है। परीक्षण लॉन्च का एक वीडियो साझा करते हुए, भारतीय नौसेना ने कहा कि नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत ने समुद्र की सतह पर लक्ष्य पर सफलतापूर्वक सटीक सहकारी हमला किया, जो हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक और मील का पत्थर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पहलगाम आतंकी हमले के बाद एक कड़ा संदेश देते हुए कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को दुनिया के कोने-कोने तक खदेड़ा जाएगा और उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा। 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी - जिनमें से ज़्यादातर पर्यटक थे - मोदी ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का संकल्प अडिग है।

बिना सुनवाई के लंबे ...

ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा कि राज्यों को चाहिए कि वे जमीनी हकीकत के आधार पर यह आकलन करें कि कितना कचरा पैदा हो रहा है और यह भी तय करें कि यह लक्ष्य (100 प्रतिशत कचरा प्रबंधन) कब तक पूरा किया जाएगा। कोर्ट ने कहा, इन दोनों मुद्दों से जुड़े नोडल अधिकारी हर तीन महीने में अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करें, जिसकी शुरुआत 1 सितंबर 2025 से हो। सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार को यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि ये रिपोर्ट उस बेंच तक पहुंचे जो इस मामले की सुनवाई कर रही है। कोर्ट ने ये भी कहा कि जब तक 2016 के ठोस कचरा प्रबंधन नियमों की जानकारी ठीक से नहीं दी जाती और पालन न करने पर सजा तय नहीं होती, तब तक ये नियम प्रभावी नहीं हो सकते। इसलिए, एनसीआर के सभी राज्य और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाएं। मुंद्रा ड्रग्स बरामदगी मामले के एक आरोपी ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि एनआईए द्वारा ड्रग्स की कमाई का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों में होने का आरोप लगाए जाने के बाद उसके बच्चों को स्कूल में आतंकवादी कहा जा रहा है और उन्हें स्कूल से वापस लाना पड़ा।

राष्ट्रपति से मिले ...

के साथ सिंधु जल समझौता तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है। वहीं अटारी बॉर्डर को भी बंद कर दिया गया है। जबकि भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। इसके साथ पाकिस्तान के राजनायिकों को भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही सेना को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया गया है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने बैयसरन के घास के मैदान मे छुट्टियां मना रहे लोगों पर अचानक गोलियां बरसानी शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों और मृतकों के परिजनों ने बताया कि आतंकियों ने सभी से उनके नाम पूछे उसके बाद लोगों को कलमा पढ़ने को कहा। वहीं कलमा पढ़ पाने और हिंदू धर्म से जुड़े पर्यटकों को आतंकियों ने मौके पर गोली मार दी। आतंकियों के हमले में कुल 26 लोगों की मौत हुई है। जबकि 20 से ज्यादा लोग इसमें घायल हैं।

पहलगाम हमले के ...

स्केच अनंतनाग के रहने वाले आदिल हुसैन थोकर का है। दूसरे आतंकी की पहचान अली भाई के रूप में हुई है, जिसे तल्हा भाई के नाम से भी जाना जाता है। तीसरे आतंकी की पहचान हासिम मूसा के रूप में हुई है, जिसे सुलेमान के नाम से भी जाना जाता है। तीनों लश्कर आतंकियों में से मूसा और तल्हा के पाकिस्तानी आतंकी होने का संदेह है, जबकि थोकर कश्मीरी है। इनमें से किसी भी आतंकी के बारे में कोई भी जानकारी देने पर 20-20 लाख रुपए का इनाम रखा गया है। लोगों से कहा गया है कि वे अनंतनाग के एसएसपी से 9596777666 पर या अनंतनाग में पीसीआर से 9596777669 पर संपर्क करें।

आतंकवाद ही असली दुश्मन, मोदी सबके साथ हैं : मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा

होजाई (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिन्दुओं के साथ भी हैं और मुसलमानों के साथ भी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारा असली दुश्मन आतंकवाद और उसे फैलाने वाले लोग हैं। देश से सच्चा प्रेम करने वाला कोई भी हिंदू या मुसलमान कभी आतंकवाद का समर्थन नहीं करता। होजाई में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि हर चुनाव हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह साल हमारे लिए बहुत खास है और हमें हर निर्णय से पहले गहराई से विचार करना चाहिए। उन्होंने जनसभा की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं और लोगों से कहा कि वे इस जनउत्साह को महसूस करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) हमेशा जनता की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है और इसमें कोई ढील नहीं बरती जाती। उन्होंने कहा कि जल्दी ही रसोई गैसों के दाम भी कम किए जाएंगे व 1 अप्रैल 2025 से बिजली दाम 1 प्रति यूनिट काम किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि असम में भाजपा के कार्यकाल में डेढ़ लाख से भी ज्यादा युवाओं को नौकरियां उपलब्ध कराई जा चुकी है और भविष्य में भी नौकरियों के अवसर आने वाले हैं। उन्होंने आगे कहा कि सभी नौकरियां योग्यता के अनुसार दी गई है इसमें किसी भी तरह की घूसखोरी नहीं हुई है, जो भाजपा की पारदर्शिता को साफ-साफ दिखती है। उन्होंने इस दौरान कांग्रेस पर भी जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कांग्रेस के कार्यकाल में लूंगी, धोती, कंबल, मच्छरदानी व सूता बाट कर गरीब तबके के लोगों का हक छीना गया व युवाओं के लिए किसी भी तरह के रोजगार के अवसर उपलब्ध नहीं करवाए गए।

पश्चिम माछखोवा में तूफानी बारिश से तबाही

लखीमपुर (हिंस)। बुधवार की रात तेज आंधी और मूसलधार बारिश ने ढकुवाखाना समजिला क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा में कई घर-आंगन तबाह हुए, बिजली के खंभे और विशाल वृक्ष टूटकर सड़कों पर गिर गए, जिससे पूरे क्षेत्र में संपर्क व्यवस्था ठप हो गई। मुख्य रूप से गंधिया, धेनुखाना बाटमारी, शिंगिया पंचायतों में घरों और पेड़ों को भारी नुकसान पहुंचा है। पश्चिम माछखोवा क्षेत्र के गंधिया, घारमरा, विजयपुर, कठालपाड़ा, नव मधुपुर और मधुपुर बागान सहित कई गांवों में आंधी-बारिश ने कहर बरपाया और जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। साथ ही, अन्य ग्रामीण क्षेत्रों से भी तूफान और बारिश की तबाही की खबरें सामने आ रही हैं, जहां कई परिवार बेघर हो गए हैं और रात में हाहाकार की स्थिति बन गई। इसके अलावा, ढकुवाखाना नगर परिषद क्षेत्र के कई मुख्य सड़कों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई है। सड़कों पर बड़े-बड़े पेड़ गिरने के कारण कई रास्तों पर आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है।

असम भाजपा ने आतंकवाद के खिलाफ अनुकरणीय कार्रवाई की मांग की

गुवाहाटी। असम भाजपा ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए भीषण हमले के मद्देनजर आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए असम भाजपा अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया ने गहरा दुख व्यक्त किया तथा कहा कि इस बर्बर हमले ने पूरे देश को शोक में डुबो दिया है तथा वैश्विक समुदाय को स्तब्ध कर दिया है। सैकिया ने कहा कि पहलगाम की घटना ने आतंकवाद की पारंपरिक परिभाषा के विपरीत आतंकवादी गतिविधियों में एक नया और भयावह आयाम पेश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को पूरी तरह लागू करने के लिए सभी तरह के आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर हम आतंकवाद को गोलीबारी, बम विस्फोट और अराजकता के माध्यम से निर्दोष लोगों की अंधाधुंध हत्या के रूप में समझते हैं। हालांकि, पहलगाम की घटना ने आतंकवाद के अधिक लक्षित और सांप्रदायिक चरित्र को उजागर किया है। 22 अप्रैल का हमला केवल कुछ पर्यटकों की हत्या नहीं थी- यह भारतीय सभ्यता, संस्कृति और सनातन प्रणाली पर एक भयंकर हमला था। सैकिया ने कहा कि दुर्भाग्य से हमारे देश में कुछ लोग ऐसी प्रवृत्तियों को उचित ठहराना जारी रखते हैं। कुछ तथाकथित बुद्धिजीवी, जो धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी उदारवादी होने का दावा करते हैं, लगातार सनातन व्यवस्था को बदनाम करते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं। राज्य भाजपा अध्यक्ष ने आगे अपनी निराशा व्यक्त करते हुए बताया कि कैसे ऐसे बुद्धिजीवियों ने आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति दिखाई है-संसद पर हमले के मास्टरमाइंड अफजल गुरु से लेकर कश्मीर में हिंसा भड़काने वाले बुरहान वानी तक। उन्होंने कहा कि इन व्यक्तियों के आचरण ने आतंकवाद को नए और अधिक खतरनाक रूपों में विकसित करने में योगदान दिया है। राज्य भाजपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा का विरोध करने के नाम पर विपक्षी दलों ने देश और इसकी सांस्कृतिक परंपराओं को बदनाम करना शुरू कर दिया है-यह व्यवहार निंदनीय है। विपक्षी दलों का यही आचरण अलगाववादियों और आतंकवादियों को बढ़ावा देता है।

ब्रह्मपुत्र में उफान से दक्षिणपत घाट पर बाढ़, जोरहाट-माजुली नौका सेवाएं बाधित

माजुली। इस साल की पहली बाढ़ ने असम में नौका परिवहन सेवाओं में बड़ी बाधा उत्पन्न की है, खासकर माजुली और जोरहाट के बीच महत्वपूर्ण संपर्क को गुरुवार को प्रभावित किया है। असम और अरुणाचल प्रदेश में लगातार भारी बारिश के बाद, ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है, जिससे महत्वपूर्ण दक्षिणपत घाट का रैंप डूब गया है और इस स्थान से सभी नौका सेवाओं को अनिश्चित काल के लिए निलंबित करना पड़ा है। बुरिल माजुली को जोरहाट से जोड़ने वाला एक प्रमुख अंतर्देशीय जल परिवहन केंद्र, दक्षिणपत घाट पानी में डूब गया है, जिससे दैनिक आवागमन और माल परिवहन बाधित हो गया है। अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) विभाग ने सुबह-सुबह ही सरकारी नौकाओं और माल को जलमग्न क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया। घाट से होकर गुजरने वाली 12 नौका सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है, जिससे परिचालन ठप्प हो गया है। रैंप के डूबने से आस-पास की दुकानें भी प्रभावित हुई हैं, जिनमें से कई अब जलमग्न हो गई हैं, जिससे स्थानीय विक्रेताओं और निवासियों के लिए संकट और बढ़ गया है। आईडब्ल्यूटी के एक कर्मचारी ने स्थिति के तेजी से बिगड़ने की बात बताई। कल तक हम दखिनपत घाट में नौका सेवाएं जारी रखे हुए थे, भले ही पानी बढ़ रहा था। रात में अचानक पानी का स्तर बढ़ गया और आज सुबह 5 बजे हमें अपना सामान लेकर किनारे पर आना पड़ा। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि भारी बारिश के कारण ब्रह्मपुत्र का जलस्तर काफी बढ़ गया। हमने यह भी सुना कि ढोला सादिया में जलस्तर बढ़ गया है और हमारा घाट बढ़ते जलस्तर के कारण लगभग डूब गया है। अचानक बंद होने के कारण विभाग ने फंसे हुए यात्रियों की सहायता के लिए अफोलामुख घाट के माध्यम से वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था की है। हालांकि, दखिनपत घाट के अनिश्चितकालीन बंद होने से जोरहाट और माजुली के बीच दैनिक यात्रियों के लिए यात्रा में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

काजीरंगा पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र के प्रस्ताव पर सरकार ने लिया यू-टर्न, संरक्षणवादियों की आलोचना

गुवाहाटी। असम सरकार ने काजीरंगा और उसके आसपास के आठ संरक्षित क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक एकीकृत पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र के प्रस्ताव को वापस लेने का फैसला किया है, जिससे संरक्षणवादियों में तीव्र नाराजगी पैदा हो गई है और प्राचीन पर्यावासों को संरक्षित करने में दिसपुर की गंभीरता पर संदेह पैदा हो गया है। 3,600 वर्ग किमी को कवर करने वाले एक एकीकृत ईएसजेड का प्रस्ताव-जिसमें काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के साथ इसके 10 अतिरिक्त, लाओखोवा वन्यजीव अभयारण्य, बुराचपोरी वन्यजीव अभयारण्य, इसके पहले अतिरिक्त सहित, नंबर-डोइग्रुंग वन्यजीव अभयारण्य, नंबर वन्यजीव अभयारण्य, गरमपानी वन्यजीव अभयारण्य, पूर्वी कार्बी आंग्लांग वन्यजीव अभयारण्य और प्रस्तावित उत्तरी कार्बी आंग्लांग वन्यजीव अभयारण्य शामिल थे। पिछले साल मई में जारी किया गया था। केंद्रीय वन सचिव को कल लिखे पत्र में असम के मुख्य सचिव ने कहा कि प्रस्तावित एकीकृत ईएसजेड में पांच जिलों के लगभग 340 गांव शामिल होंगे। मुख्य सचिव ने प्रस्ताव वापस लेने के राज्य सरकार के निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि केएनपी और टीआर में कई अतिरिक्त निर्माण अभी भी प्रस्तावित चरण में हैं, जिनकी सीमाओं को अभी भी अंतिम रूप दिया जाना है-कुछ 1985 से लंबित हैं। इसके अलावा, इन क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय समुदायों के अधिकार, जिनमें उपरोक्त सभी आठ संरक्षित क्षेत्र शामिल हैं, अभी भी अनिश्चित हैं। प्रस्तावित ईएसजेड सीधे तौर पर लगभग 5 लाख लोगों को प्रभावित करेगा, जिसमें अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित जातियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की एक महत्वपूर्ण आबादी शामिल है। प्रस्तावित ईएसजेड में विभिन्न बुनियादी ढांचे का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि इन मौलिक सीमा और सामुदायिक मुद्दों को हल किए बिना इस तरह के विशाल एकीकृत ईएसजेड को लागू करने से विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न होगी, जनसंख्या विस्थापन होगा और कमजोर समुदायों के लिए दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक संकट पैदा होगा। तथापि, असम सरकार ने कहा कि वह इन संरक्षित क्षेत्रों में से प्रत्येक के लिए अलग-अलग ईएसजेड प्रस्ताव प्रस्तुत करेगी तथा केएनपी एवं टीआर में यदि कोई वृद्धि होगी तो वह प्रत्येक के विशिष्ट पारिस्थितिकी, जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक संदर्भ पर आधारित होगी। इस निर्णय से वन्यजीव संरक्षणवादियों में रोष है, जिन्होंने कहा कि यह कदम दर्शाता है कि सरकार किस प्रकार वन्यजीव संरक्षण को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि ईएसजेड को वापस लेने का निर्णय गंभीर पारिस्थितिकी संकट को बढ़ावा देगा। एक जिम्मेदार सरकार को पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था को समान महत्व देना चाहिए। जल्दबाजी में लिए गए इस निर्णय का काजीरंगा और असम के अन्य संरक्षित क्षेत्रों पर गंभीर पारिस्थितिकी प्रभाव पड़ेगा।

बिना परमिट के ले जाया जा रहा सरकारी यूरिया जब्त, चालक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुप्त सूचना के आधार पर बशिष्ठ पुलिस ने ब्रह्मपुत्र बोर्ड ऑफिस, लालमाटी के पास एक चेकिंग प्वाइंट लगाया और एक संदिग्ध लाल रंग के (एएस-01-एमसी-5315) वाहन को रोका। यह वाहन बरपेटा से मेघालय की ओर जा रहा था और इसमें अवैध रूप से सरकारी सब्सिडी वाला यूरिया ले जाया जा रहा था। पुलिस ने वाहन चालक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान चालक कोई वैध दस्तावेज या ट्रांजिट परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार चालक की पहचान सुलेमान मियां (33, बरपेटा) के रूप में हुई है। सुलेमान मियां ने पूछताछ में यह स्वीकार किया कि वह बिना किसी कानूनी अनुमति के सरकारी यूरिया ले जा रहा था और इससे पहले भी वह कई बार ऐसा कर चुका है। पुलिस द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से 80 बैग *प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना* अंकित यूरिया, 10 बैग आलू (छुपाने के लिए) और एक काली तिरपाल बरामद की गई। पुलिस ने सभी सामग्रियों को जब्त कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

रीतम सिंह से मोरीगांव जेल में मिलने पहुंची कांग्रेस राष्ट्रीय टीम

मोरीगांव (हिंस)। लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की एक टीम गुरुवार को मोरीगांव जेल पहुंची। उन्होंने असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता रीतम सिंह से मुलाकात की। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि असम में हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के इस्तेमाल के लिए रीतम सिंह को अनुचित रूप से जेल में डाल दिया है। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और असम विधानसभा चुनावों के मीडिया समन्वयक टीम के प्रमुख चरण सिंह सप्रा, एआईसीसी की राष्ट्रीय प्रवक्ता निगहत अब्बास और हर्षद शर्मा शामिल थे। टीम ने रीतम सिंह से मुलाकात कर कांग्रेस पार्टी की ओर से उन्हें और उनके परिवार को कानूनी और नैतिक समर्थन का पूरा आश्वासन दिया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि रीतम सिंह को पहले एक ट्वीट के चलते लखीमपुर में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। हालांकि, उस मामले में उन्हें जमानत मिल गई थी, लेकिन इसके बावजूद असम सरकार ने प्रतिशोध की राजनीति करते हुए मोरीगांव में एक और झूठा मामला दर्ज कर उन्हें फिर से जेल भिजवा दिया। यह घटनाक्रम सरकार के असहिष्णु और बदले की भावना से प्रेरित रवैये को उजागर करता है। कांग्रेस ने इसे भाजपा सरकार की लोकतांत्रिक आवाजों को कुचलने की बेशर्म कोशिश बताया। कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट किया कि वह ऐसे अधिनायकवादी हमलों के खिलाफ मजबूती से खड़ी रहेगी। एआईसीसी टीम ने रीतम सिंह को आश्वस्त किया कि सत्य के पक्ष में आवाज उठाने के उनके साहस को भुलाया नहीं जाएगा। टीम ने यह भी बताया कि मामला तुरंत कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व तक पहुंचाया जा रहा है और कानूनी रास्तों से पूरी तरह निपटा जाएगा। चरण सिंह सप्रा ने कहा कि किसी भी कांग्रेस कार्यकर्ता को अन्याय के खिलाफ खड़े होने के लिए न तो छोड़ा जाएगा और न ही चुप कराया जाएगा।

कोकराझाड़-करीगांव राजमार्ग का होगा विकास

बीटीसी प्रमुख ने एनएच-117ए उन्नयन की आधारशिला रखी

कोकराझाड़ (विभास)। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में सड़क अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने आज कोकराझाड़ से करीगांव तक एनएच-117ए के एक महत्वपूर्ण खंड के सुधार और उन्नयन की आधारशिला रखी। यह परियोजना किलोमीटर 24.500 (कोकराझाड़) से किलोमीटर 38.947 (करीगांव) तक राजमार्ग का उन्नयन करेगी, जिसकी कुल लंबाई 15.247 किलोमीटर होगी। इसमें वर्ष 2023-24 के लिए वार्षिक योजना के तहत पक्के कंधे और सतह का प्रावधान शामिल है, जिसे अभयपुरी निर्माण प्रभाग द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा। क्षेत्र में सड़क अवसंरचना और संपर्क को मजबूत करने के लिए बीटीआर सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने कहा कि आज बीटीसीएलए में पेश किए गए वाइब्रेंट बीटीआर 2.0 बजट में बुनियादी ढांचे के लिए पर्याप्त आवंटन से पूरे क्षेत्र में सड़क विकास प्रयासों में तेजी आएगी। शिलान्यास समारोह में सांसद जयंत बसुमतारी और कोकराझाड़ पूर्व (एसटी) निर्वाचन क्षेत्र के विधायक लॉरेंस इस्लेरी के साथ-साथ वरिष्ठ पीडब्ल्यूडी अधिकारी भी शामिल हुए। इस परियोजना से क्षेत्रीय संपर्क में उल्लेखनीय सुधार, सड़क सुरक्षा में वृद्धि और यात्रियों और माल दोनों के लिए अधिक विश्वसनीय और कुशल परिवहन को सक्षम करके आर्थिक विकास को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

बीटीसी बजट सत्र संपन्न : 843 करोड़ रुपए का बजट पारित

कोकराझाड़ (विभास)। वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद विधान सभा (बीटीसीएलए) का दो दिवसीय बजट सत्र आज संपन्न हो गया। जिसमें सदन ने 843 करोड़ रुपए के सामान्य अनुमानित बजट को मंजूरी दी। यह बजट मंगलवार को बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य और वित्त प्रभारी प्रमोद बोड़ो ने पेश किया। सामान्य बजट के अलावा, परिषद को राज्य के स्वामित्व वाली प्राथमिकता विकास (एसओपीडी) योजना के तहत विशेष आवंटन से भी लाभ होगा। *वाइब्रेंट बीटीआर मिशन: संघर्ष से निर्माण 2025-26* थीम के तहत बजट पेश करते हुए, बोड़ो ने जरूरत आधारित संपत्ति निर्माण और योजनाओं और परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन पर केंद्रित जन-केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर दिया। बोड़ो ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि इस वर्ष का बजट एक जीवंत बीटीआर मिशन के लिए हमारे दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो सतत विकास, सुशासन और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए व्यापक योजना पर आधारित है। सत्तारूढ़ परिषद द्वारा प्रस्तुत आशावादी दृष्टिकोण के बावजूद, विपक्ष ने अपना असंतोष व्यक्त किया, यह दावा करते हुए कि बजट जन कल्याण और लोगों की दैनिक चिंताओं से संबंधित मुख्य मुद्दों को पर्याप्त रूप से संबोधित करने में विफल रहा। सत्र का समापन सामान्य चर्चा और बजट के अनुमोदन के साथ हुआ, जिसमें आगामी वित्तीय वर्ष में परिषद की विकास पहलों के लिए रोडमैप निर्धारित किया गया।

प्रज्ञान सुपर 30 के छात्रों ने रचा इतिहास

जेईई मेंस 2025 में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की परीक्षा

गुवाहाटी। यह बहुत ही गर्व एवं प्रेरणा का विषय है कि असम में ऑयल प्रज्ञान सुपर 30, गुवाहाटी, नगांव और डिब्रूगढ़ केंद्रों और अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर केंद्र के छात्रों ने जेईई मेन्स 2025 में असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि में, गुवाहाटी केंद्र के 30 में से 25 छात्र, नगांव और डिब्रूगढ़ केंद्रों के 30 में से 28 छात्र और ईटानगर केंद्र के 30 में से 29 छात्रों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के प्रतिभाशाली छात्रों को आगे बढ़ाने के समर्पित प्रयास में, ऑयल ने 2010 में इस प्रमुख पहल की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षा और समान अवसरों को बढ़ावा देना था। यह कार्यक्रम वंचित पृष्ठभूमि के मेधावी छात्रों को 11 महीने की पूरी तरह से नि:शुल्क तथा पूरी तरह से आवासीय कोचिंग और शैक्षणिक परामर्श प्रदान करता है, जो उन्हें भारत की सबसे प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षाओं- (मेन्स और एडवांस्ड) और एनईईटी (नीट) के लिए तैयार करता है। पिछले 15 वर्षों से यह परिवर्तनकारी पहल, योग्य वंचित छात्रों को देश भर के आईआईटी, एनआईटी और शीर्ष मेडिकल कॉलेजों जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश दिलाने में सक्षम बनाकर शैक्षिक अंतर को दूर करने का काम कर रही है। पूर्वोत्तर में, ऑयल इंडिया लिमिटेड असम के गुवाहाटी, नगांव और डिब्रूगढ़ तथा अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में स्थित अपने चार केंद्रों पर इंजीनियरिंग प्रवेश कोचिंग (जेईई) की पेशकश कर रहा है। मेडिकल प्रवेश कोचिंग (नीट) के लिए, असम के जोरहाट में एक केंद्र विशेष रूप से संचालित होता है। इस पहल के माध्यम से, ऑयल केवल अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि उन छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के दरवाजे खोलकर गरीबी की बेड़ियों को तोड़ रहा है जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। वर्ष 2010 में परियोजना की शुरुआत के बाद से, चार केंद्रों में नामांकित 1, 482 छात्रों में से 1, 361 ने विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी, आईएसएम धनबाद, आईआईएसटी (इसरो), आईएसआई, आईआईएसईआर, बीआईटी पटना, आईआईआईटी, भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (केओएल) और एनआईटी, राज्य इंजीनियरिंग कॉलेजों आदि में प्रवेश प्राप्त किया है। असम और अरुणाचल प्रदेश के चार केंद्रों ने अपनी स्थापना के बाद से ही छात्रों को प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश दिलाने में सहायता की है। केंद्र प्रारंभ वर्ष सहायताप्राप्त छात्र आईआईटी में प्रवेश : गुवाहाटी 2010 : 404, 70, 150, नगांव 2017 : 209, 25, 73, डिब्रूगढ़ 2013 : 300, 48, 113, ईटानगर 2015 : 293, 78, 84। कार्यक्रम में प्रवेश के लिए कठोर दो-चरणीय चयन प्रक्रिया का पालन किया जाता है एक लिखित परीक्षा और उसके बाद एक अकादमिक साक्षात्कार। उम्मीदवारों को 4 लाख से कम वार्षिक आय वाले परिवारों से संबंधित होना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वंचित पृष्ठभूमि से संबंधित मेधावी छात्रों तक सहायता पहुँचे। ऑयल प्रज्ञान सुपर 30 का लक्ष्य अकादमिक उत्कृष्टता से परे है। यह पहल चरित्र विकास, आत्म-अनुशासन और नेतृत्व पर समान रूप से ध्यान केंद्रित करती है, छात्रों को न केवल अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए ही नहीं बल्कि अपने समुदायों में परिवर्तनकर्ता के रूप में उभरने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। चूंकि ये छात्र आईआईटी और अन्य प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिला ले रहे हैं।

SRIMANTA SANKARADEVA UNIVERSITY OF HEALTH SCIENCES
(A State University of the Govt. of Assam)
Narakasur Hilltop, Bhangagarh, Guwahati-781032, Assam
Phone : 06026177313 (O) E-mail : ssuhs_assam@yahoo.in
Website: www.ssuhs.in

EDUCATIONAL NOTICE
(ANM ENTRANCE EXAMINATION, 2025)

ADMISSION INTO ANM COURSE IN GOVT. ANM TRAINING SCHOOLS OF ASSAM FOR THE SESSION 2024-2025

In continuation of earlier Educational Notices No. SSUHS/251/2024/5315, dated 20-08-2024 and No. SSUHS/251/2024/5802, dated 15-09-2024, ANM Entrance Examination, 2025 will be held on **18-05-2025 (Sunday).** Candidates are requested to download their Admit Cards from the University website: www.ssuhs.in by putting their log in credentials from **05-05-2025.**

The candidates are to keep note of their **Application Form Number and Password.**

They are to download the Admit Card from the University website: www.ssuhs.in from **05-05-2025** onwards by entering their Appliction Form Number and Password.

In case the Application Form Number and Password are misplaced/ lost/forgotten by the applicant, she will not be able to download her Admit Card. Hence, the applicants are directed to be very serious in keeping note of the Application Form No. and Password. However, the applicants may call the Help Line No. 7977259728 for any assistance.

Controller of Examinations,
Srimanta Sankaradeva University of Health Sciences

DIPR /D/VBS/3/25-Apr-25

संपादकीय

आगजनी और हिमाचल

प्रतिवर्ष गर्मियों के मौसम में हिमाचल में आगजनी की घटनाएं बढ़ जाती हैं। आग से उठने वाले जहरीले धुएं से पर्यावरण संतुलन गड़बड़ा जाता है। इससे मौसम के घटनाक्रम पर भी विपरीत असर पड़ता है। जंगलों में आग लगने से करोड़ों रुपयों की वन-संपदा, सरकारी एवं निजी संपत्ति का नुकसान होता है। कई लोग जिंदा अपने ही आशियाने में झुलस कर भगवान को प्यारे हो जाते हैं तथा हजारों वन्य प्राणी तड़प-तड़प कर स्वाहा हो जाते हैं। असंख्य जंगली जानवरों के बच्चे एवं पक्षियों के अंडे धू-धू कर जलते हैं। कई बार जंगल की आग बस्तियों तक भी पहुंच जाती है। इससे निजी संपत्ति का नुकसान भी करोड़ों में होता है। गर्मियों के दिनों में कडक़ड़ाती धूप के चलते तापमान बढ़ जाता है, जमीन पर नमी न रहने के कारण अनेक वनस्पतियां सूख जाती हैं। कई पेड़ों के पत्ते झड़ जाते हैं तथा जमीन में उगी घास सूख जाती है। चारों ओर खेतों व घासनियों में नाममात्र की हरियाली रह जाती है। एक बार कहीं आग लग गई तो उस पर काबू पाना बहुत मुश्किल होता है। वैशाख महीने में जब रवि की फसल कटने के बाद किसान अगली फसल की बुआई की तैयारी करते हैं, अपने खेतों और घासनियों में उगी झाड़ियों की काट-छांट करते हैं, फिर उनमें आग लगाई जाती है। खेतों से कटी झाड़ियों व घास-फूस को तो वहीं जलाया जाता है। इससे आग के फैलने का कम ही खतरा रहता है, लेकिन घासनियों में लगी आग पर काबू पाना मुश्किल हो जाता है। कई बार यही आग जंगल तक फैल जाती है। लोक में एक कहावत है कि 'कोई अफवाह जंगल की आग की तरह फैल गई।' अर्थात जंगल की आग बहुत तेजी से फैलती है। उसके बाद उस पर काबू पाना मुश्किल हो जाता है। विशेषकर चीड़ के जंगल में धधकती आग तब तक नहीं बुझती जब तक सारा जंगल राख में बदल नहीं जाता है। चीड़ की सूखी पत्तियां तो आग में घी का काम करती हैं। इससे उठने वाली लपटों से छोटे पौधे तो सदा के लिए मुरझा जाते हैं, लेकिन बड़े पेड़ झुलसने के कई सालों के बाद ही अपने असली रूप में आ पाते हैं। जबकि बहुत से पेड़ सूख जाते हैं। विभिन्न प्रजातियों के जानवरों व पक्षियों के प्रजनन का समय गर्मियों के दिनों में होता है। प्रजनन से पहले मादा जंगली जानवर घनी झाड़ियों में सुरक्षित स्थान तलाश कर वहीं अपना आशियाना बनाती है तथा वहीं बच्चे देती है। इस तरह मादा पक्षी भी पेड़ों की टहनियों पर अपने घौंसले बनाते हैं तथा वहीं अंडे देकर उन्हें सेहती हैं। अंडे देने के बाद मादा पक्षी करीब दो सप्ताह से अधिक समय तक अपने अंडों पर बैठी रहती हैं। जंगल में आग लगने के बाद बहुत कम जानवर व पक्षी बच पाते हैं। जंगलों की आग से वायुमंडल प्रदूषित हो जाता है तथा धरती का तापमान बढ़ जाता है। तेज गर्मी पडऩे से लू का खतरा बढ़ जाता है। इससे अनेक बीमारियां फैलने का अंदेशा हो जाता है। मौसम का घटनाक्रम प्रभावित होने से समय पर बारिश नहीं होती। सूखा पडऩे से फसलें बर्बाद हो जाती हैं। सरकार का वन विभाग, अग्निशमन विभाग एवं अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं जंगलों को आग से बचाने के लिए विभिन्न उपाय करते हैं, लेकिन फिर भी कमियां रह जाती हैं, जिन्हें दुरुस्त करना होगा।

आग से उठने वाले जहरीले धुएं से पर्यावरण संतुलन गड़बड़ा जाता है। इससे मौसम के घटनाक्रम पर भी विपरीत असर पड़ता है। जंगलों में आग लगने से करोड़ों रुपयों की वन-संपदा, सरकारी एवं निजी संपत्ति का नुकसान होता है। कई लोग जिंदा अपने ही आशियाने में झुलस कर भगवान को प्यारे हो जाते हैं तथा हजारों वन्य प्राणी तड़प-तड़प कर स्वाहा हो जाते हैं। असंख्य जंगली जानवरों के बच्चे एवं पक्षियों के अंडे धू-धू कर जलते हैं। कई बार जंगल की आग बस्तियों तक भी पहुंच जाती है। इससे निजी संपत्ति का नुकसान भी करोड़ों में होता है। गर्मियों के दिनों में कडक़ड़ाती धूप के चलते तापमान बढ़ जाता है, जमीन पर नमी न रहने के कारण अनेक वनस्पतियां सूख जाती हैं। कई पेड़ों के पत्ते झड़ जाते हैं तथा जमीन में उगी घास सूख जाती है। चारों ओर खेतों व घासनियों में नाममात्र की हरियाली रह जाती है। एक बार कहीं आग लग गई तो उस पर काबू पाना बहुत मुश्किल होता है। वैशाख महीने में जब रवि की फसल कटने के बाद किसान अगली फसल की बुआई की तैयारी करते हैं, अपने खेतों और घासनियों में उगी झाड़ियों की काट-छांट करते हैं, फिर उनमें आग लगाई जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने दीवानी मामले में आपराधिक कानून लगाने पर उत्तरप्रदेश (यूपी) पुलिस को फटकार लगाई

अदालतों से फटकार खाकर भी नहीं सुधर रही देश की पुलिस

योगेन्द्र योगी

नेताओं की हाथों की कठपुतली बनी पुलिस प्रणाली देश के आम लोगों का विश्वास जीतने में पूरी तरह नाकाम रही है। पुलिस का आचरण और व्यवहार आजादी के बाद भी सामंती बना हुआ है। अपराध रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के अपराधियों की तरह आचरण करने से वर्दी दागदार हो रही है। पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्रों में होने के कारण सत्तारुढ़ दलों के इशारों के बगैर काम नहीं करती है। ऐसे ही हालात पुलिस पर पक्षपात करने के जिम्मेदार हैं। अधिनस्थ से लेकर देश की शीर्ष अदालत कई बार पुलिस की कारगुजारियों को उजागर किया है। इसके बावजूद पुलिस के रवैये में कोई खास बदलाव नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट ने दीवानी मामले में आपराधिक कानून लगाने पर उत्तरप्रदेश (यूपी) पुलिस को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि यूपी पुलिस की ओर से दीवानी मामलों में दर्ज की गईं प्राथमिकियों पर गौर करने से पता चलता है कि राज्य में कानून का शासन पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। पुलिस के कुकृत्यों सिर्फ मनमर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस अपराधियों को पकडऩे के बजाए कई मामलों खुद अपराधी बन बैठी है। पंजाब के चर्चित मोगा सेक्स स्कैंडल में मोहाली स्थित कोर्ट ने 4 पुलिस अधिकारियों को सजा सुनाई है। मोगा सेक्स स्कैंडल साल 2007 में सुर्खियों में आया। उस समय पंजाब में अकाली-भाजपा गठबंधन की सरकार थी। इस स्कैंडल में कई हाई प्रोफाइल राजनेता और सीनियर पुलिस अधिकारी शामिल थे। ये सब मिलकर अमीर लोगों को देह व्यापार में फंसाते थे। पुलिस की कारगुजारियों का पर्दाफाश सुप्रीम कोर्ट ने एक मृत्युदंड के मामले में भी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के आरोप में निचली अदालत से मौत की सजा प्राप्त एक युवक को बरी करते हुए पुलिस प्रक्रिया पर तीखी टिप्पणियां की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सभी फोरेंसिक और गवाहों की रिपोर्टों की बारीकी से समीक्षा की और पाया कि आरोपी के खिलाफ कोई विश्वसनीय सबूत नहीं था। इस तरह एक निर्दोष व्यक्ति ने 10 साल फांसी की सजा के साए में जेल में बिताए, जबकि पुलिस और न्यायिक व्यवस्था की नाकामी साफ नजऱ आई। सुप्रीम कोर्ट पुलिस और सत्तारुढ़ दलों के नापाक गठजोड़ को कई बार उजागर कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश रहे एनवी रमना ने एक मामले में कहा था कि देखा जा रहा है कि पुलिस के अधिकारी सत्ता में मौजूद राजनीतिक पार्टी का फेवर करते हैं और सत्ता पक्ष के विरोधियों के खिलाफ कार्यवाही

पुलिस का आचरण और व्यवहार आजादी के बाद भी सामंती बना हुआ है। अपराध रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के अपराधियों की तरह आचरण करने से वर्दी दागदार हो रही है। पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्रों में होने के कारण सत्तारुढ़ दलों के इशारों के बगैर काम नहीं करती है। ऐसे ही हालात पुलिस पर पक्षपात करने के जिम्मेदार हैं। अधिनस्थ से लेकर देश की शीर्ष अदालत कई बार पुलिस की कारगुजारियों को उजागर किया है। इसके बावजूद पुलिस के रवैये में कोई खास बदलाव नहीं आया है।

करते हैं। बात यहीं खत्म नहीं होती जब विरोधी पक्ष के लोग सत्ता में आते हैं तो उन्हीं पुलिस अफसरों पर कार्यवाही करते हैं। देश में इस तरह का जो ट्रेंड दिख रहा है वह काफी परेशान करने वाला है। मुख्य न्यायाधीश रमना ने कहा था कि इसके लिए पुलिस विभाग को ही जिम्मेदार ठहराना चाहिए। पुलिस को चाहिए कि वह कानून के शासन पर टिके रहें। वह सत्ता और विपक्ष किसी के साथ न होकर स्वतंत्र रूप से काम करें। सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी छत्तीसगढ़ के निलंबित अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुरजिंदर पाल सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए की थी। पाल के खिलाफ पुलिस ने सत्तारुढ दल के इशारे पर आय से अधिक सम्पत्ति और राजद्रोह का मामला दर्ज किया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा रहे न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने कोलकाता चिकित्सक के बलात्कार-हत्याकांड की सुनवाई के दौरान कहा था कि कोलकाता पुलिस ने इस मामले को जिस तरह से संभाला, वह कुछ ऐसा है जो उन्होंने अपने जीवन के 30 वर्षों में नहीं देखा। शीर्ष अदालत ने अप्राकृतिक मौत के मामले के पंजीकरण में देरी की आलोचना की। पुलिस की मौजूदा कार्यप्रणाली को लेकर देश में कई सुधार करने के प्रयास हुए हैं, किन्तु सत्तारुढ़ दलों के नेताओं ने ऐसे प्रयासों को नाकाम करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी। स्वतंत्रता के बाद से ही, इस व्यवस्था में सुधार की मांग उठती रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार, अकुशलता और जनता में अविश्वास का कारण बनी हुई है। पुलिस सुधारों के लिए कई आयोगों और समितियों का गठन किया गया। राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और वर्ष 1971 में बनी गोर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशें धूल खा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी वर्ष २००६ में प्रकाश सिंह मामले में पुलिस सुधारों पर कई निर्देश दिए। जिनमें यह भी शामिल था कि राज्य पुलिस प्रमुखों का दो वर्ष का निश्चित कार्यकाल होगा। निर्देशों में राज्य सुरक्षा आयोगों की स्थापना, वरिष्ठ अधिकारियों के लिये निश्चित कार्यकाल और कानून एवं व्यवस्था से जाँच को अलग करना शामिल था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की भी राज्यों ने पालना नहीं की। इसे देश के सभी राज्यों ने या तो लागू नहीं किया या फिर निर्देशों को आधे-अधूरे तरीके से लागू किया गया ताकि पुलिस में सत्तारुढ़ दलों का हस्तक्षेप पूरी तरह से बना रह सके। इन सिफारिशों को लागू नहीं करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दिल्ली की वर्ष 2019 की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 72 प्रतिशत पुलिस अधिकारियों ने मामलों की जाँच करते समय राजनीतिक दबाव का अनुभव किया है। पुलिस प्रायः अत्यधिक बल का प्रयोग करती है, विशेषकर विरोध प्रदर्शनों और नागरिक अशांति से निपटने में। अप्रैल, 2017 से मार्च, 2022 तक पिछले पाँच वर्षों में देश भर में पुलिस हिरासत में मौत के कुल 669 मामले दर्ज किये गए। इसके अलावा, भारत में अपराध विज्ञान के क्षेत्र में इतने सारे अवसर होने के बावजूद, प्रति 0.1 मिलियन जनसंख्या पर केवल 0.33 फोरेंसिक वैज्ञानिक हैं, जबकि विदेशों में प्रति 0.1 मिलियन जनसंख्या पर 20 से 50 वैज्ञानिक हैं। पुलिस अधिकारियों का अपर्याप्त प्रशिक्षण इस मुद्दे को और भी गंभीर बना देता है। एक रिपोर्ट में पाया गया कि देश में 11 राज्य पुलिस कर्मियों के लिये केवल एक कंप्यूटर/लैपटॉप था, जबकि कुछ बड़े राज्यों में वर्ष 2022 में 30 या उससे अधिक कर्मियों के लिये केवल एक प्रणाली थी। केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं की संख्या बढ़ाने के लगातार प्रयासों के बावजूद देश में पुलिस बलों में केवल 11.75 प्रतिशत महिलाएँ हैं। प्रतिनिधित्व की यह कमी महिलाओं को अपराधों की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित करती है और लिंग आधारित हिंसा के मामलों को ठीक से नहीं निपटा पाती। पुलिस अधिकारी कानून प्रवर्तन से लेकर चुनाव ड्यूटी तक अनेक भूमिकाएँ निभाते हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त आराम या उचित पारिश्रमिक नहीं मिलता। कम वेतन से व्यावसायिकता हतोत्साहित होती है और भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ती है, जिससे जनता का विश्वास प्रभावित होता है। पुलिस कार्यों में राजनीतिक हस्तक्षेप ने व्यावसायिकता और स्वतंत्रता को समाप्त कर दिया है। बार-बार स्थानांतरण, राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का दबाव और जाँच एजेंसियों के दुरुपयोग ने कानून प्रवर्तन की विश्वसनीयता को कमज़ोर कर दिया है।

दृष्टि कोण

ईमानदार लोगों को सौंपें पंचायतों की डोर

भारत में स्थानीय एवं ग्राम स्तर पर पंचायत प्रणाली का बड़ा पुराना इतिहास रहा है। पंचायत में पंच शब्द का अर्थ है पांच और आयत का अर्थ है सभा। इसलिए पंचायत शब्द का अर्थ है पांच लोगों की सभा या पांच लोगों का संगठन। भारत में पंचायती राज मंत्रालय द्वारा 24 अप्रैल 2010 को पहला राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया था। यह विशेष दिन पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत का प्रतीक है, जिसे 73वें संविधान संशोधन अधिनियम 1992 के माध्यम से संवैधानिक दर्जा दिया गया था। 73वें संशोधन के द्वारा संविधान में 11वीं अनुसूची जोड़ी गई। इसमें पंचायत के 29 विषयों को शामिल किया गया था। पंचायती राज व्यवस्था भारत की त्रिस्तरीय स्थानीय स्वशासन संरचना है जो गांवों, ब्लॉकों और जिलों को अपने विकास का प्रबंधन करने की शक्ति देती है। हिमाचल प्रदेश में कुल पंचायतों की संख्या 3572 है। आज पंचायती राज प्रणाली के कार्यक्षेत्र का विस्तार हो चुका है और इनके दायरे में समावेशी विकास, स्थानीय समस्याओं के समाधान, जलवायु परिवर्तन और गांवों से शहरों की ओर पलायन जैसे मुद्दों को जोड़ा गया है। अब पंचायतें देश भर में ग्रामीण विकास, डिजिटल पहल और सतत विकास लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रही हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाने का उद्देश्य ग्रामीण विकास, जन भागीदारी और जमीनी स्तर पर निर्णय लेने में सुधार लाने में मजबूत स्थानीय निकायों के महत्व को सम्मानित करना भी होता है। राष्ट्रीय स्तर पर पंचायतों के उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रति वर्ष राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार भी दिए जाते हैं। यह पुरस्कार गांवों को बेहतर नियोजन, सामुदायिक कल्याण और संसाधनों के कुशल उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करते हैं। हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था 1952 के हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के द्वारा स्थापित की गई थी, जिसके तहत 1954 में 466 ग्राम पंचायतों की स्थापना हुई थी। इस अधिनियम के लागू होने से पहले, राज्य में केवल 280 ग्राम पंचायतें थीं। 1966 में पंजाब के पहाड़ी क्षेत्रों को हिमाचल प्रदेश में मिला दिया गया, जिससे ग्राम पंचायतों की संख्या बढक़र 1695 हो गई। भारत की 65 से 70 फीसदी आबादी गांवों में निवास करती है। जनसंख्या के अंतिम नागरिक तक पहुंच रखने वाली इस प्रणाली के सशक्तिकरण को लेकर अभी भी काफी सुधारों की गुंजाईश है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में तुच्छ राजनीति ने अब अपनी गहरी जड़ें जमा ली हैं और पंचायती राज प्रणाली भी इससे अछूती नहीं है। चूंकि बीते वर्षों में राज्य एवं केंद्र सरकारों द्वारा गांवों के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करवाई जा रही है, लिहाजा ऐसा भी देखने में आ रहा है कि कई लोगों के लिए पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव लडऩा कमाई करने का औजार बन चुका है। इसलिए आम वोटर को ऐसे मौकापरस्त और स्वार्थी प्रवृत्ति वाले उम्मीदवारों के पक्ष में खड़ा होने से बचने की जरूरत है। लगभग 75 लाख की आबादी वाले हिमाचल प्रदेश के गांवों एवं कस्बों का निरंतर विस्तार हो रहा है। इसी के साथ पक्के संपर्क मार्गों, पक्की चौड़ी गलियों, सीवरेज व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटों, पेयजल एवं विद्युत की निर्बाध आपूर्ति, निकटतम स्थानों पर स्वास्थ्य सुविधाएं और भ्रष्टाचार रहित स्वच्छ पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन ग्रामीण आबादी को बिना मांगे मिलें, इसके लिए भी व्यापक सुधारों की जरूरत है। अफसरशाही को जमीन पर जाकर सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई गई धनराशि के समुचित उपयोग और विकास कार्यों की जमीनी पड़ताल करने की भी आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश सरकार 'व्यवस्था परिवर्तन' के नारे के साथ आगे बढ़ रही है। पंचायती राज के अंतर्गत विकासात्मक गतिविधियों के लिए केंद्र सरकार से भी पर्याप्त धन इन संस्थाओं को मिल रहा है। पर्वतीय परिस्थितियों वाले इस राज्य के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों की कुछ रोजमर्रा की समस्याओं को युद्ध स्तर पर हल किए जाने की आवश्यकता है। आज कुछ लोगों द्वारा अपनी स्वार्थपूर्ति के चलते संपर्क मार्गों और गलियों में किया गया कब्जा और अतिक्रमण अक्सर राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन चुका है।

कुछ अलग

ठेके पर जिंदगी

लगता है, आज जिंदगी ठेके पर चली गई है। लेखन से कलाकृतियों तक का सृजन ठेके पर होता है। जिंदगी से प्यार खत्म करवाने का ठेका पहले कुछ लोगों ने ले रखा था। इस पर न जाने कितनी दर्दनाक फिल्में लिखी गईं, न जाने कितनी प्रेम कहानियां बनीं, जिनके प्रेम त्रिकोण में तीसरा कोना खलनायक का होता था। ठेके पर काम करते ये लोग प्रेमी से लेकर रस्मो रिवाज और परंपराओं की दुहाई देकर शादी तुड़वाने वाले बड़े-बूढ़ों और समाज के मीर मुंशियों का काम कर जाते। रिश्ता टूट जाता। यूं खलनायकों का ठेका व्यवसाय इतना सफल हो गया कि लोगों ने उसकी भयावहता से डर कर अपने बच्चों के नाम इन खलनायकों के नाम पर रखने बंद कर दिए। तब एक तरफ मशहूर खलनायक थे प्राण साहिब। लोगों ने तो एक-दो पीढ़ी तक किसी नवजात बच्चे का नाम प्राण ही नहीं रखा। लेकिन अब जमाना बदल रहा है, साहिब। हमारे समाज के आधुनिक और व्यवसायी होते जाने के साथ-साथ यह ठेका व्यवसाय भी सफेदपोश और साफ-सुथरा हो गया है। अभी देखिए न, अपने देश के किसान कानूनों से कायाकल्प के नाम पर इस देश के मूल नागरिकों धरती पुत्रों या किसानों की जिंदगी संवारने के लिए किसानों की खेती धनिक घरानों को ठेके पर देने, उनकी फसलों के खरीद ठेके लेने का अधिकार ऊंची अटारियों वालों को दे दिया गया था। वैसे तो इस देश के किसानों की शोषित बहुसंख्या इसी प्रकार सूदखोर महाजनों और धनी जमींदारों के पास ठेके पर, अर्ध बंटाई या खेत में खड़ी फसलों के औने-पौने दाम बिक कर सदियों से किसानों का दुख हरती रही है। लेकिन यह दुख हरा गया या एक शोषित प्रक्रिया के रूप में तबदील हो गया, यह तो केवल भुक्तभोगी ही जानते हैं। हां, पिछले साल इतना अवश्य हुआ कि इन गरीब अभागे किसानों की जमीन धनियों को ठेके पर देने की वैधानिक मान्यता मिल गई। फसलों को संपन्न घरानों में गोदामों के लौह द्वारों के पीछे कैद करने की कानूनी इजाजत मिल गई। लेकिन ठेके पर जिंदगियां रख उन्हें संवारने के नाम पर बिगाडऩे के न जाने अभी कितने और ठेके खुल गए हैं। शिक्षालयों की ओर जाते हैं, तो वहां शिक्षा परमो धर्म का सूत्र वाक्य अपना चेहरा बिगाड़ ठेके पर उठ गया लगता है। फालिज न केवल पुस्तक और अध्यापन-अध्ययन संस्कृति पर गिरा, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था ही जैसे सेवानिवृत्ति झेलने लगी है। गए दिनों में गुरु द्रोण की मूर्ति सजा शिष्य एकलव्य ने शस्त्र साधना की थी। अब तो देश के जीते जागते अध्यापकों को कोई नहीं पूछता। अब तो बरसों उन्हें नाममात्र वेतन पर ठेके पर रह जिंदगी में किसी स्थायित्व को देने की मांग करते हैं, तो उन्हें कच्चे मुलाजिम कह कर अपने बजट से निकाल दिया जाता है। शिक्षालयों के भवन आज भी खड़े हैं, लेकिन लगता है उनसे विद्या और प्रेरणा रूठती जा रही है। हर लक्ष्य तक पहुंचने के लिए चोर दरवाजे और शार्टकट खुलने लगे हैं। आजकल तप और साधना से पूर्ण शिक्षा प्राप्त करने की बात कौन करता है? विद्या के गुलाबों की खुशबू की जगह कुकुरमुत्तों ने ले ली है। हथेली पर सरसों जमाने की ठेका विधियां दनदनाने लगी हैं। युग बीत गए जब इन संस्थानों में पक्की भर्ती थी। अब तो यहां दिहाड़ीदार शिक्षा की वहंगी ढोते हैं। शिक्षालय खाली हो रहे हैं। अकादमियां ठेके पर नौकरीवान डिग्रियों, डाक्टर, इंजीनियर या जनसम्पर्क और प्रचारक की डिजिटल संस्थानों के ठेके दिलवाने लगीं। डिग्री प्राप्त करके निकलोगे तो बाहर ठेके पर मिलने वाली नौकरी तुम्हारा इंतजार कर रही होगी, वे कहते हैं। हमें नहीं चाहिए ऐसा देश, ऐसा जीवनयापन करने की नौकरियां। हमें विदेश भिजवा दो।

देश दुनीया से

त्रिभाषा फार्मूले में विरोध हिंदी का ही क्यों

जब हम आज़ाद हो गये तो यह बात एक स्वीकृत सत्य की तरह मान ली गयी थी कि अब देश का काम देश की भाषा–हिंदी में होगा। पर इसी बीच दक्षिण और उत्तर के नाम पर हिंदी को लेकर विवादास्पद बातें भी होने लगीं। दक्षिण में, विशेष कर तमिलनाडु में, यह भावना उठने लगी कि हिंदी के माध्यम से उत्तर भारत दक्षिण भारत पर अपना वर्चस्व स्थापित कर लेगा। बात भले ही सांस्कृतिक आधिपत्य के रूप में की जा रही थी, पर यह भी सत्य है कि कथित 'हिंदी साम्राज्यवाद' की आशंका के पीछे कहीं न कहीं राजनीतिक वर्चस्व की आशंका भी थी। हालांकि ऐसा कुछ था नहीं। हिंदी की स्वीकार्यता की बात का आधार यही तथ्य था कि देश में हिंदी बोलने-समझने वालों की संख्या सर्वाधिक थी। हिंदी को राजभाषा बनाने का कदापि यह अर्थ नहीं था कि हिंदी देश की अन्य भाषाओं से कहीं बेहतर या ऊंची भाषा है। आज भी यदि ऐसी कोई भावना किसी में है, तो वह ग़लत है। हिंदी देश की, विशेष कर दक्षिण भारत की, भाषाओं से तुलना में कहीं कम समृद्ध है। हिंदी को तो मुख्यतः इसलिए स्वीकारा गया कि इससे देश भर में संवाद कुछ आसान हो जायेगा। हिंदी वालों को, और गैर-हिंदी भाषियों को यह बात समझनी ही होगी कि हिंदी देश की बाकी भाषाओं की बड़ी बहन नहीं, एक सखी है। दोस्ती में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। सब बराबर होते हैं। इसी भावना के साथ यह माना गया कि देश के लोगों को तीन भाषा तो सीखनी ही चाहिए- एक अपनी मातृभाषा, दूसरी अंग्रेजी, और तीसरी देश की कोई अन्य भाषा। हमारी नयी शिक्षा-नीति में भी यही सोचकर तीन भाषाओं की बात कही गयी। आशा और अपेक्षा यह थी कि दक्षिण वाले हिंदी सीख लेंगे, और उत्तर वाले कोई भारतीय भाषा। पर हिंदी वालों से यहां जानबूझकर या अनायास ही एक चूक हो गयी-उन्होंने तमिल या मलयालम या बांग्ला या कन्नड़ आदि भारतीय भाषाओं में से किसी एक को सीखने के बजाय संस्कृत को सीखना ज़्यादा पसंद कर लिया। संस्कृत पढ़ने में कुछ ग़लत नहीं है, पर यह उस अपेक्षा के अनुरूप नहीं था जिसे आधार बनाकर त्रिभाषा फार्मूला लागू किया गया था। इसी अपेक्षा की पूर्ति के लिए नयी शिक्षा–नीति में त्रिभाषा फार्मूला स्वीकारा गया। पर, दुर्भाग्य से अब भी दक्षिण, पूर्व या पश्चिम भारत वालों में से कुछ लोगों को इसमें 'हिंदी साम्राज्यवाद' की गंध आ रही है। इस सोच का नवीनतम उदाहरण महाराष्ट्र में दिख रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने नयी शिक्षा- नीति में किये गये प्रावधान को स्वीकारते हुए स्कूली स्तर पर मातृभाषा, अंग्रेजी और हिंदी को अनिवार्य बनाया है। यह अनिवार्यता कुछ तत्वों को खल रही थी। यह तत्व अब भी इस गलतफ़हमी के शिकार हैं कि इस शिक्षा-नीति से उनकी मातृभाषा को नुकसान पहुंचाने का कोई षड्यंत्र रचा जा रहा है! हैरानी की बात तो यह है कि हिंदी सीखने-सिखाने का विरोध करने वाले यह तत्व अंग्रेजी को त्रिभाषा फार्मूले का

हिस्सा बनने पर चुप हैं। बिना किसी ठोस आधार के उन्होंने एक विदेशी भाषा, अंग्रेजी, को तो सहज स्वीकार लिया है, पर अपने ही देश की एक भाषा, हिंदी, को स्वीकारने को वे 'थोपा जाना' मान रहे हैं। हकीकत यह है कि कल भी हिंदी का विरोध करने के पीछे राजनीतिक स्वार्थ थे, और आज भी राजनीतिक स्वार्थ ही महाराष्ट्र समेत देश के कुछ हिस्सों में हिंदी का विरोध करवा रहे हैं। अंग्रेजी विश्व की एक प्रमुख भाषा है, इसमें कोई संदेह नहीं। अंतर्राष्ट्रीय संपर्कों की दृष्टि से सीखना-समझना कहीं ग़लत नहीं है। पर इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, या नहीं किया जाना चाहिए, कि अंग्रेजी सारी दुनिया की नहीं, दुनिया के कुछ ही देश की भाषा है। जापान, जर्मनी, फ्रांस, चीन, रूस जैसे न जाने कितने ही देश हैं जिन्होंने अंग्रेजी की अनिवार्यता को अनुचित माना है। अपनी भाषा में काम-काज करने की उनकी जिद से उन्हें कहीं कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उल्टे उन्होंने इस ज़िद को अपनी अस्मिता के संदर्भ में समझा है। होना यह चाहिए था कि महाराष्ट्र में अंग्रेजी की अनिवार्यता पर सवाल किया जाता। विश्व-व्यापार के लिए अथवा अंतर्राष्ट्रीय संपर्कों की दृष्टि से यदि अंग्रेजी सीखने की ज़रूरत है तो उनसे जुड़े लोग यह भाषा सीख लेंगे–हर भारतीय को इसे सीखने की विवशता क्यों? इसलिए, विरोध यदि ज़रूरी है तो वह अंग्रेजी की अनिवार्यता का होना चाहिए। हिंदी का नहीं। महाराष्ट्र में हिंदी सीखने-सिखाने के इस विरोध के पीछे बच्चों पर भाषाई-बोझ का तर्क भी दिया जा रहा है। मुख्य बात तो यह है कि भाषा बच्चों पर बोझ नहीं होतीं, बड़ों की तुलना में वह कहीं अधिक आसानी से भाषाएं सीख लेते हैं। फिर भी यदि किसी को तीन भाषाओं की अनिवार्यता बोझिल लग रही है तो विरोध एक विदेशी भाषा, अंग्रेजी, का होना चाहिए, अपने ही देश की सर्वाधिक बोली-समझी जाने वाली भाषा, हिंदी, का नहीं। भाषा की राजनीति से कुछ राजनीतिक स्वार्थ भले ही सध जाते हों, पर यह राजनीति हमें टुकड़ों में बांटने वाली है। हमें तो इस बात पर गर्व होना चाहिए कि हमारे पास इतनी सारी समृद्ध भाषाएं हैं। ये सारी भाषाएं हमारी पहचान हैं, हमारा गौरव हैं। हिंदी की अनिवार्यता से मराठी को नुकसान पहुंचाने के सोच वालों को यह समझना चाहिए कि हिंदी नहीं, अंग्रेजी से हमारी भाषाओं को खतरा है। आज देश के सब हिस्सों में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बाढ़-सी आ गयी है। पिछले कुछ सालों में मुंबई में मराठी और हिंदी माध्यम के सौ से अधिक स्कूल बंद हो चुके हैं। चिंता इस बात की होनी चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है, और कैसे इस प्रवृत्ति को रोका जाये। हमारी भाषाएं हमारी पहचान हैं। चिंता इस पहचान को बचाये रखने की होनी चाहिए।

आप का नजरीया

कश्मीर में एक और नरसंहार

एक तस्वीर मीडिया के जरिए दुनिया के सामने आई है। सबसे त्रासद, दर्दनाक और नरसंहार को बयां करती तस्वीर... ! एक नवविवाहिता की कलाइयों पर लाल रंग का चूड़ा है, उंगली में अंगूठी है, लेकिन वह अपने पति के शव के पास गुमसुम बैठी है। उसके भीतर न जाने कितने अंधड़ उमड़ रहे होंगे! आतंकी हमले ने एक नवविवाहित जोड़े की जिंदगी ही काली कर दी। कश्मीर में पहलगाम जिले के बैसरन घसियाले मैदान में आतंकियों ने हमला किया है। यह हमला ही नहीं, बल्कि दानवी नरसंहार है, जिसमें 28 निहत्थे, निर्दोष, मासूम पर्यटकों को, मात्र 20 मिनट में ही, लाश बना दिया गया। बैसरन घाटी पहलगाम से करीब 7 किमी दूर है। एक बेहद खूबसूरत घास का मैदान, जिसे 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहते हैं, लेकिन आतंकियों ने उसे भी खून से लथपथ कर बदनाम कर दिया। पहलगाम से अमरनाथ यात्रा का एक मुख्य मार्ग जाता है। धार्मिक यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण भी शुरू हो चुका है। आतंकियों ने तीर्थयात्रियों के लिए भी खौफ और दहशत के भाव पैदा कर दिए हैं। इस बार आतंकियों ने चुन-चुन कर 'हिंदू पर्यटकों' को ही निशाना बनाया है। उनका नाम और धर्म पूछा गया, कलाई में कलावा देखा और कलमा नहीं पढ़ पाए, तो उन्हें गोलियों से भून दिया। बताया गया है कि 4-5 आतंकी थे। उन्होंने 50-70 राउंड गोलीबारी की और 28 सैलानियों को मौत की नींद सुला दिया। अधिकतर पुरुष पर्यटकों को ही निशाना बनाया गया। कर्नाटक की एक महिला ने पति की मौत के बाद जब कहा कि उसे भी मार दें, तो आतंकियों ने जवाब दिया-'नहीं, तुम्हें नहीं मारेंगे। तुम जाओ, जाकर मोदी को बता दो।' इस जवाब से ही आतंकियों की सोच और मंशा समझी जा सकती है। बहरहाल कश्मीर में फरवरी, 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के बाद यह नरसंहार सबसे बड़ा और वीभत्स है। पुलवामा में 40 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को आतंकियों ने 'शहीद' कर दिया था। पहलगाम में धर्म के आधार पर चिह्नित कर पर्यटकों पर पहली बार आतंकी हमला किया गया है। इस नरसंहार ने मार्च, 2000 के चित्तीसिंहपुरा आतंकी हमले की याद ताजा करा दी, जिसमें 35 ग्रामीण सिखों को उनके घरों से निकाल कर मार दिया गया था। तब अमरीका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन कश्मीर के प्रवास पर ही थे। इस बार अमरीका के उपराष्ट्रपति वेंस भारत के प्रवास पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी सऊदी अरब गए हुए थे। बहरहाल उन्हें तुरंत लौटना पड़ा। लौटने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह को फोन पर निर्देश दिए कि तुरंत श्रीनगर जाएं और हालात तथा सुरक्षा का जायजा लें। गृहमंत्री श्रीनगर में ही हैं। उन्होंने उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह सचिव सहित सुरक्षा के शीर्ष अधिकारियों के साथ मंथन किया कि ऐसा क्यों हुआ है? राष्ट्रीय जांच एजेंसी भी अब ऑपरेशन में शामिल हो सकती है। सरकार और सुरक्षा-तंत्र तुरंत सक्रिय हो गए हैं। पहाड़ी और जंगलात वाले उस इलाके की सेना और सुरक्षा-बलों ने घेराबंदी कर ली है।

अटारी-बाघा बॉर्डर से भारत ने वापस लौटाए पाकिस्तानी नागरिक

चंडीगढ़ (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के विरुद्ध लिए गए फैसलों का असर गुरुवार को अटारी बाघा बॉर्डर पर देखने को मिला। पाकिस्तान की तरफ से वीजा लेकर भारत में भ्रमण के लिए आने वाले किसी भी नागरिक को भारत में प्रवेश नहीं दिया गया। वहीं इधर से जाने वाले 42 पाकिस्तानी नागरिकों को पूछताछ के बाद अटारी सीमा के रास्ते पाकिस्तान भेज दिया गया। दोनों देशों के बॉर्डर पर अटारी सीमा भारत के अधिकार क्षेत्र में आती है, जबकि बाघा सीमा पाकिस्तान के अधिकार क्षेत्र में आती है। सामान्य की दिनों की भांति गुरुवार की सुबह करीब 11-00 बजे पाकिस्तान की तरफ से 100 से अधिक यात्री भारत में घूमने के लिए अटारी बघा सीमा पर पहुंचे थे। इन पाकिस्तानी नागरिकों को भारत सरकार के लिए गए फैसले के बारे में जानकारी नहीं थी। इसके बावजूद भारतीय सैन्य अधिकारियों ने उन्हें नए फैसले से अवगत कराते हुए भारत में प्रवेश देने से इनकार कर दिया पाकिस्तान सरकार की तरफ से अभी इस बारे में कोई फैसला नहीं लिया गया है, जिसके चलते यह नागरिक काफी देर तक भारत-पाक सीमा पर ही बैठे रहे। पाक रेंजरों से बात के बाद वापस लौट गए। इस बीच भारत में घूमने के लिए आये पाकिस्तानी नागरिकों को बुधवार की रात लिए गए फैसले के बारे में पता चला तो आज सुबह वह अटारी बॉर्डर पर पहुंचे। बीएसएफ के अधिकारियों ने पूछताछ के बाद 42 पाकिस्तानी नागरिकों को अटारी सीमा के रास्ते पाकिस्तान भेज दिया। उड़ी सर्जिकल स्ट्राइक तथा कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद पाकिस्तान के साथ भारत का सीधा व्यापार तो बंद है, लेकिन अफगानिस्तान से पाकिस्तान के रास्ते अटारी-बाघा सीमा के माध्यम से भारत में तरबूज, ड्राई फ्रुट, जीरा व सेंधा नमक आदि भारत में आता है। किसी कारोबार को लेकर भारत, अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान के बीच हुए समझौते के तहत अफगानिस्तान से भारत आने वाला सामान जब पाकिस्तान की सीमा में प्रवेश करता है तो उसे भारत की सीमा तक पहुंचाने का जिम्मा पाकिस्तान के चालकों व परिचालकों का रहता है।

रिट्रीट सेरमनी में पाक रेंजरों से हाथ नहीं मिलाएंगे भारतीय सैनिक

अटारी, हुसैनीवाला व सादकी बार्डर पर नहीं खुले गेट

चंडीगढ़ (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का असर पंजाब में स्थित पाकिस्तान की सीमाओं पर साफ दिखाई दिया। पंजाब के अटारी, हुसैनीवाला और सादकी बार्डर पर रोजाना होने वाली रिट्रीट सेरमनी के दौरान भारतीय सैनिक अब पाकिस्तान के रेंजरों के साथ न तो हाथ मिलाएंगे और न ही सीमा के गेट खुलेंगे। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने बुधवार की रात पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए कड़े फैसलों के बाद गुरुवार को अटारी में बीएसएफ के आला अधिकारियों की एक बैठक हुई। जिसके बाद बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि रिट्रीट समारोह के दौरान औपचारिक प्रदर्शन को कम करने का निर्णय लिया गया है। पंजाब के अटारी, हुसैनीवाला और सादकी

बार्डर पर रोजाना की तरह रिट्रीट सेरमनी किया गया लेकिन इस दौरान गेट नहीं खोले गए और न ही भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानी रेंजरों से हाथ मिलाए। उन्होंने बतायाकि अब आगामी फैसले तक रिट्रीट के दौरान भारतीय गार्ड कमांडर के पाकिस्तान में अपने समकक्ष गार्ड कमांडर के साथ हाथ मिलाने की रस्म को निलंबित कर दिया गया है। पहले यहां रिट्रीट के दौरान कुछ समय के लिए भारत व पाकिस्तान के गेट खोले जाते थे। इस दौरान दोनों देशों के जवानों की ओर से शक्ति व शौर्य का प्रदर्शन किया जाता था। अब बदले हुए हालातों में बीएसएफ ने आगामी आदेश तक रिट्रीट समारोह के दौरान गेट बंद रखने का फैसला किया है। बीएसएफ के अनुसार यह कदम सीमा पार शत्रुता पर भारत की गंभीर चिंता को दर्शाता है और इस बात की पुष्टि करता है कि शांति और उकसावे एक साथ नहीं रह सकते। बीएसएफ की बैठक के बाद इस फैसले को तुरंत प्रभाव से लागू कर दिया गया। गुरुवार की शाम अटारी, हुसैनीवाला और सादकी बार्डर पर रिट्रीट के दौरान भारतीय जवानों की न तो पाक रेंजरों के साथ हाथ मिलाया और न ही गेट खोले गए।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस को दी भावभीनी विदाई

जयपुर (हिंस)। संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस गुरुवार प्रात: अपनी जयपुर यात्रा पूर्ण कर स्वदेश रवाना हुए। इस अवसर पर जयपुर एयरपोर्ट पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। जयपुर से प्रस्थान इस यात्रा का अंतिम चरण था, जिसमें वेंस परिवार ने प्रमुख विरासत स्थलों का भ्रमण किया और भारतीय नेताओं के साथ बातचीत की। एक दिन पहले उन्होंने आगरा में प्रतिष्ठित ताजमहल का दौरा किया था। वेंस 21 अप्रैल को चार दिन की भारत यात्रा पर पहुंचे थे। उनके साथ उनकी पत्नी उषा और तीनों बच्चों इवान, विवेक और मिराबेल भी भारत आए थे। सोमवार को दिल्ली में लैंड होने के बाद वेंस ने अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद शाम को पीएम मोदी से मुलाकात की। वेंस सोमवार रात को ही दिल्ली से जयपुर के लिए रवाना हो गए थे। इसके बाद उन्होंने मंगलवार को जयपुर में आमेर का किला देखा। बुधवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने आगरा के ताजमहल का दौरा किया। इसके बाद वापस जयपुर लौटें, जहां से वे गुरुवार सुबह वॉशिंगटन के लिए रवाना हुए। तय शेड्यूल के मुताबिक उन्हें जयपुर के सिटी पैलेस का दौरा करना था, लेकिन यह दौरा रद्द कर दिया गया है। दौरा रद्द करने का कोई कारण नहीं बताया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले की वजह से यह फैसला किया गया।

भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ की सहायता को 5500 होमगार्ड जवान तैनात करेगी पंजाब सरकार

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दी मंजूरी पंजाब के सीमावर्ती जिलों में होगी तैनाती

चंडीगढ़ (हिंस)। भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ के सहयोग के लिए पंजाब में पांच सौ किलोमीटर से अधिक सीमा पर पंजाब सरकार 5500 होमगार्ड जवानों को तैनात करेगी। इसके लिए होमगार्डों की भर्ती को राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पुलिस विभाग के आला अधिकारियों के साथ बैठक के बाद गुरुवार को इस भर्ती को मंजूरी दे दी। बैठक में मुख्यमंत्री मान ने पहलगाम में हाल ही में आतंकी हमले के मद्देनजर राज्य के प्रति शत्रु ताकतों के नापाक मंसूबों को रोकने के लिए प्रभावी दूसरी रक्षा पंक्ति स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पंजाब में सुरक्षा घेरे को बढ़ाने के लिए पंजाब पुलिस के बॉर्डर विंग में 5500 जवानों को राज्य के सात सीमावर्ती जिलों में तैनात किया जाएगा। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि दूसरी सुरक्षा पंक्ति स्थापित करने का यह प्रस्ताव अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ के जाल से बचने वाले किसी भी तत्व को पकड़ने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्य की विशालता को देखते हुए राज्य सरकार को केंद्र से सहायता की आवश्यकता होगी, जिसके लिए वे जल्द ही केंद्रीय

गृह मंत्री से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के पास मानव शक्ति, हौसला और योग्यता है और अतिरिक्त संसाधनों के लिए भारत सरकार से संपर्क किया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब पुलिस के पास किसी भी तरह के हमले, चाहे वह भेष में हो, को रोकने की इच्छा शक्ति, अनुभव और पेशेवर योग्यता है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इन 5500 होम गार्ड जवानों के अलावा राज्यभर में 400 से अधिक अन्य जवानों की भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन जवानों को सड़क सुरक्षा बल (एसएसएफ), स्टेट डिजास्टर रिलीफ फोर्स (एसडीआरएफ) और अन्य बलों में तैनात किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश व पंजाब की सीमाओं पर बढ़ाई जाएगी चौकसी : रवि किरण

पानीपत (हिंस)। एडीजीपी डॉ. एम रवि किरण ने गुरुवार को करनाल रेंज का कार्यभार संभाल लिया। डॉ. एम रवि किरण, 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। इससे पहले वे पुलिस अधीक्षक महेंद्रगढ़, पुलिस अधीक्षक अंबाला, पुलिस अधीक्षक रेलवे हरियाणा, पुलिस अधीक्षक पलवल, आईजीपी एसीबी हरियाणा, आईजीपी/एडीजीपी साउथ रेंज, एडीजीपी-जेल हरियाणा, एडीजीपी हिसार रेंज जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। एडीजीपी करनाल रेंज का कार्यभार संभालने उपरांत उन्होंने बताया कि करनाल मंडल मे कानून व्यवस्था को दुरुस्त बनाने के साथ-साथ सुरक्षा व सौहार्द का वातावरण बनाया जाएगा और योजनाबद्ध व प्रभावी तरीके से करनाल मंडल मे ड्रग की समस्या पर अंकुश लगाना तथा नशा तस्करों एवं अवैध हथियार तस्करों की धरपकड़ करने पर फोकस रहेगा।

भारत सरकार पीओके पर कब्जा करे : बेनीवाल

जयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के सांसद हनुमान बेनीवाल ने केंद्र और राजस्थान सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुई आतंकी घटनाओं को सरकार की विफलता बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार समय पर कार्रवाई करती तो हालात इतने भयावह नहीं होते। बेनीवाल ने कहा कि *जम्मू-कश्मीर में 27 से अधिक निर्दोष लोगों की हत्या हुई है, यह सरकार की असफलता है। कारगिल जैसी घुसपैठ दोबारा न हो, इसके लिए सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए। अब वक्त आ गया है कि भारत सरकार पीओके पर कब्जा करे।* उन्होंने कहा कि केवल बयानबाजी से आतंकवाद खत्म नहीं होगा। अब ठोस कदम उठाने होंगे। इसके साथ ही उन्होंने *अग्निपथ योजना* को भी समाप्त करने की मांग करते हुए कहा कि कोई भी युवा सिर्फ चार साल के लिए सेना में क्यों जाएगा? राजस्थान में सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा पर बोलते हुए हनुमान बेनीवाल ने मुख्यमंत्री कार्यालय और मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि इस परीक्षा में घोटाला हुआ है और सरकार दोषियों को बचाने में जुटी है। उन्होंने कहा कि एसओजी की जांच में सामने आया है कि लाखों रुपये लेकर अभ्यर्थियों को परीक्षा में बैठाया गया। सबूत होने के बावजूद कई रसूखदारों पर कार्रवाई नहीं की जा रही। बेनीवाल ने आरोप लगाया कि सीएम कार्यालय के कुछ अधिकारी अपनी महिला मित्रों को बचाने के लिए जांच को प्रभावित कर रहे हैं। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर भी हमला करते हुए बेनीवाल ने कहा कि रीट लेवल-1 में भी भारी गड़बड़ियां हुई थीं, लेकिन उसे रद्द नहीं किया गया। अब भाजपा सरकार ने भी इस पर चुप्पी साध ली है। उन्होंने कहा कि *दिल्ली में लोग अब राजस्थान की डिग्री को फर्जी मानने लगे हैं। प्रदेश फर्जीवाड़ा और गैंगवार का अड्डा बन गया है।* बेनीवाल ने कहा कि 26 अप्रैल से शहीद स्मारक पर अनिश्चितकालीन आंदोलन की शुरुआत की जाएगी। अगर जरूरत पड़ी तो जयपुर में एक लाख लोगों की रैली भी आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि युवाओं की मांगों के लिए वे आखिरी सांस तक लड़ेंगे। बेनीवाल ने राजस्थान लोक सेवा आयोग को पूरी तरह भ्रष्ट बताते हुए इसके पुनर्गठन की मांग की।

पहलगाम आतंकी हमले का आतंकियों को करारा जवाब दे केंद्र सरकार : मायावती

लखनऊ (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर देशभर में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को पहलगाम आतंकी हमले का करारा जवाब देना चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम में पाक समर्थित आतंकियों ने निर्दोष लोगों की हत्या की है। पर्यटकों के नरसंहार की अत्यंत घातक घटना से पूरा देश स्तब्ध है। पर्यटन सीजन में ऐसे विशेष स्थान पर सुरक्षा व्यवस्था न होने और आतंकियों द्वारा ऐसी घटना को अंजाम दिए जाने से लोगों में आक्रोश स्वाभाविक है, जिसके लिए जवाबदेही जरूरी है। जनता में पुन: विश्वास पैदा करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में देश में आगे कहीं ऐसी दर्दनाक घटना न होने पाए।

अब आतंकवाद अपनी अंतिम सांसे ले रहा है : योगी आदित्यनाथ

कानपुर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए कारोबारी शुभम द्विवेदी समेत उन सभी हत्याओं का बदला लिया जाएगा। जिन बेगुनाह निहत्थे सैलानियों को आतंकवादियों ने इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया है। जिसकी शुरुआत हो चुकी है। अब आतंकवाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है। दहशतगर्दियों ने महिलाओं के सामने ही उनके सुहाग को उजाड़ा है। जिसका बदला हमारी डबल इंजन की सरकार लेकर रहेगी। यह बातें गुरुवार को कानपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही। देर रात जैसे ही शुभम का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव पहुंचा। वैसे ही चारों तरफ चीख पुकार मच गई। परिजन एक दूसरे के कंधे पर सिर रखकर रोते हुए नजर आए। पीड़ित परिजनों से मिलने और शुभम को श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी हाथीपुर गांव पहुंचे। उन्होंने परिजनों से बातचीत करते हुए उनका ढांढस बंधाया। इस दौरान शुभम की पत्नी एशान्या ने कहा कि मेरे सामने ही मेरे पति के सिर पर गोली मार दी गई लेकिन इससे पहले उनका धर्म पूछा गया। कोई समझ पाता इससे पहले ही वहां पर मौजूद सभी लोगों को बारी-बारी से गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। सीएम ने परिजनों का दुख बांटते हुए कहा कि इस विपरीत स्थिति में शासन से लेकर प्रशासन तक परिवार के साथ है।

आतंकवादियों ने इस नापाक घटना को अंजाम दिया है। जिसका मुंह तोड़ जवाब देने का समय आ चुका है। अब आतंकवादियों के ताबूत में आखिरी कील ठोकने की शुरुआत भी हो चुकी है। डबल इंजन की सरकार पूरी तरह से पीड़ित परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। जिन लोगों ने भी इस घटना को अंजाम दिया है। उनके प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति देखने को मिलेगी। जिस तरह से आतंकियों ने बेकसूर लोगों की हत्या की है। उसी तरह से आतंकियों और उनके आकाओं को सजा जरूर मिलेगी। इस साजिश में शामिल किसी को भी बक्शा नहीं जाएगा।

आतंकी हमले में मारे गए नीरज उधवानी को मुख्यमंत्री- पूर्व मुख्यमंत्री समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

जयपुर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल की रात हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में जयपुर निवासी चार्टर्ड अकाउंटेंट नीरज उधवानी (33) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। नीरज अपनी पत्नी आयुषी के साथ कश्मीर घूमने गए थे, जब आतंकियों ने हमला कर दिया। हमले के वक्त पत्नी आयुषी नीरज के साथ ही थीं और उन्हीं के सामने आतंकियों ने उन्हें गोली मारी। बुधवार रात 8-15 बजे इंडिगो फ्लाइट से नीरज का शव जयपुर पहुंचा। इसके बाद उनके निवास स्थान मॉडल टाउन (मालवीय नगर) पर शोक की लहर दौड़ गई। गुरुवार सुबह झालाना स्थित श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जा रहा है। अंतिम संस्कार की तैयारियां जिला प्रशासन द्वारा पूरी कर ली गई हैं। घर के बाहर कड़ी सुरक्षा के तहत डेढ़ सौ से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा सहित भाजपा और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता नीरज के घर पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। नीरज की पत्नी आयुषी ने सबसे पहले हमले की सूचना नीरज के बड़े भाई किशोर उधवानी को फोन पर दी थी। उन्होंने बताया था कि नीरज को गोली लग गई है और वे खुद सेना द्वारा सुरक्षित स्थान पर पहुंचाए गए हैं। इस खबर से जयपुर स्थित परिवार में कोहराम मच गया। किशोर और उनकी पत्नी तुरंत दिल्ली के लिए रवाना हुए और वहां से कश्मीर के लिए फ्लाइट ली।

पहलगाम आतंकी हमला : झालामंड में बाजार बंद, व्यापारियों ने निकाली आक्रोश रैली

जोधपुर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले को लेकर देशभर में आक्रोश है। इसको लेकर जोधपुर के झालामंड में भी आज विरोध-प्रदर्शन किया गया। व्यापार और हिंदू संगठनों ने स्वेच्छा से झालामंड का मुख्य बाजार बंद रखा। हाथों में ध्वज लेकर लोगों ने मुख्य बाजार में पैदल चलते हुए आतंकवाद के खिलाफ रोष जताया। इसके साथ ही कई स्थानों पर श्रद्धांजलि सभाएं भी हुई। झालामंड व्यापार मंडल के अध्यक्ष मोहन प्रजापत ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों पर आतंकवादी हमला करना कायराना हरकत है। निर्दोष आम नागरिकों को निशाना बनाना मानवता के खिलाफ है। पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है और झालामंड चौराहा व्यापारी समिति जोधपुर भी दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करती है। साथ ही घायलों के स्वस्थ होने की मंगल कामना करती है। आक्रोशित व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने झालामंड चौराहे पर पाकिस्तान का पुतला भी जलाया। साथ ही कहा कि आतंकवादियों ने धर्म पूछ कर पर्यटकों को निशाना बनाया। मनोज सिनावाडिया ने बताया कि इस मौके

पर दयालराम प्रजापत, पुखराज प्रजापत, कैलाश प्रजापत, दशरथ प्रजापत, हनुमान राम सहित बड़ी संख्या में व्यापारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे। वहीं पहलगाम जम्मू-कश्मीर में हुई वीभत्स आतंकवादी घटना में मारे गए निर्दोष नागरिकों के प्रति संवेदना प्रकट करने के लिए एक शोक सभा महात्मा गांधी चिकित्सालय के मुख्य प्रांगण में रखकर दो मिनट का मौन रखा गया एवं मृत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर महात्मा गांधी चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. फतेह सिंह भाटी, उपअधीक्षक डॉ. कमलेश पुरोहित, नर्सिंग अधीक्षक सुनिता पुरोहित एव अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुए। इसी तरह राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन द्वारा आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राजस्थान उच्च न्यायालय भवन झालामंड के डोम तथा हेरिटेज उच्च न्यायालय भवन पावटा के मुख्यद्वार के आगे श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। समस्त अधिवक्ताओं ने राजस्थान उच्च न्यायालय सहित समस्त अधीनस्थ न्यायालयों में काली पट्टी धारण कर उपस्थिति दी। श्रद्धांजलि देने में एसोसिएशन के अध्यक्ष रतनाराम ठोलिया, उपाध्यक्ष धीरेन्द्र दाधीच, महासचिव शिवलाल बरवड़, सहसचिव विजेन्द्र पुरी, पुस्तकालय सचिव कांता राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष विमल कुमार माहेश्वरी सहित भारी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे। नार्थ वेस्टर्न रेलवे एंप्लॉइज यूनियन के मंडल कार्यालय में पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को मंडल, शाखा पदाधिकारियों व संगठन कार्यकर्ताओं द्वारा मोमबती जलाकर एवं दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मंडल सचिव मनोज कुमार परिहार ने इस कायराना हरकत की भर्त्सना की। मंडल अध्यक्ष महेन्द्र व्यास ने भी इस घटना की भर्त्सना करते हुए दिवंगत सेलानियों की आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की सभा को जसबीर सिंह चौधरी, जितेन्द्र ढाका, आशा कंवर, नईम मोहम्मद शेख द्वारा संबोधित किया गया। परमानन्द गुर्जर द्वारा सभा का संचालन किया गया।

पीएम मोदी की सरकार ने बिहार में किए काफी विकास कार्य : नीतीश कुमार

पटना/मधुबनी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की झंझारपुर जनसभा में पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में बिहार के लिए काफी काम हुए हैं। बिहार को विशेष आर्थिक सहायता मिली है। सड़क योजना, स्वास्थ्य, बाढ़ नियंत्रण और अन्य क्षेत्रों में काफी सहयोग मिला है। मखाना बोर्ड की स्थापना, राष्ट्रीय स्तर के खाद्य प्रसंस्करण की स्थापना एवं पटना आईआईटी के विस्तार का ऐलान किया गया है। नीतीश कुमार ने कहा कि हमने बीच में गड़बड़ कर दी थी। हम लोग अब कभी उसके (राजद) साथ नहीं जाएंगे। पहली बार हम लोग वर्ष 2005 में काफी बढ़िया चुनाव लड़े थे। अब हम लोग काफी कुछ काम कर रहे हैं। केंद्र सरकार से मिलकर बिहार खूब आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले हुए, जिसमें कई लोगों की मृत्यु हो गई। यह काफी दुखद और निंदनीय है। हम शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। हम आपके साथ हैं। देश आतंक के खिलाफ एकजुट है। इन सबके लिए प्रधानमंत्री का उन्होंने आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि आज (गुरुवार) पंचायती राज के दिवस पर पीएम मोदी के द्वारा बिजली वितरण, गैस प्लांट एवं अन्य योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया जा रहा है। नए रेल लाइनों का उद्घाटन तथा तीन नई रेल सेवाओं का शुभारंभ भी होगा। पीएम आवास योजना के 12 लाख लाभार्थियों को दिए जा रहे हैं। पहले पंचायत में बुरा हाल था। वो लोग कहीं कोई काम नहीं करते थे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि पहलगाम में हुए हमले से पूरा देश और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुखी हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व पर पूरे देश को भरोसा है।

आरबीआई ने 10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को बैंक में खाता खोलने दी परमिशन

नई दिल्ली

भारती रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को 10 वर्ष से अधिक आयु के नाबालिगों को स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी। भारतीय रिजर्व बैंक ने नाबालिगों के जमा खाते खोलने और संचालन के संबंध में संशोधित निर्देश जारी किए हैं। आरबीआई ने वाणिज्यिक बैंकों और सहकारी बैंकों को संबोधित एक परिपत्र में कहा कि किसी भी उम्र के नाबालिगों को अपने प्राकृतिक या

इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/डेबिट कार्ड आदि बैंकिंग सुविधाएं भी मिलेगी

कानूनी अभिभावक के माध्यम से बचत और सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है। 10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को अपनी मां को अभिभावक बनाकर ऐसे खाते खोलने की भी अनुमति दी जा सकती है। परिपत्र में कहा गया है- जिन नाबालिगों की आयु सीमा 10 वर्ष से कम नहीं है और बैंकों द्वारा उनकी जोखिम प्रबंधन नीति को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई राशि और शर्तों तक, उन्हें स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है, यदि वे ऐसा करना चाहते हैं, और ऐसी शर्तों को खाताधारक को विधिवत रूप से सूचित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, वयस्क होने पर खाताधारक के नए संचालन निर्देश और नमूना हस्ताक्षर प्राप्त किए जाने चाहिए और उन्हें रिकॉर्ड में रखा जाना चाहिए। परिपत्र में कहा गया- बैंक अपनी जोखिम प्रबंधन नीति, उत्पाद उपयुक्तता और ग्राहक उपयुक्तता के आधार पर नाबालिग खाताधारकों को इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/ डेबिट कार्ड, चेक बुक सुविधा आदि जैसी अतिरिक्त बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्वतंत्र हैं। बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि नाबालिगों के खाते, चाहे वे स्वतंत्र रूप से या अभिभावक के माध्यम से संचालित हों, से अधिक निकासी की अनुमति नहीं दी जाए।

न्यूज ब्रीफ

पर्सिस्टेंट सिस्टम का मुनाफा चौथी तिमाही में 25 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी पर्सिस्टेंट सिस्टम का मुनाफा 31 मार्च को समाप्त तिमाही में 25.5 प्रतिशत बढ़कर 395.7 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2023-24 की इसी तिमाही में उसे 315.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। पर्सिस्टेंट सिस्टम्स की परिचालन आय सालाना आधार पर 25.15 प्रतिशत बढ़कर 3,242.11 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 2,590.5 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का मुनाफा 28 प्रतिशत बढ़कर 1,400 करोड़ रुपये हो गया जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,093.4 करोड़ रुपये था। कंपनी की परिचालन आय आलोच्य वित्त वर्ष में 21.55 प्रतिशत बढ़कर 11,938.7 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2023-24 में 9,821.58 करोड़ रुपये थी।

नेस्ले इंडिया का मुनाफा मार्च तिमाही में 6.5 फीसदी घटकर 873.46 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 6.5 फीसदी घटकर 873.46 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 934.17 करोड़ रुपये था। नेस्ले इंडिया ने शेयरधारकों को 10 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान किया है। स्विस बहुराष्ट्रीय कंपनी नेस्ले इंडिया ने गुरुवार को शेयर बाजार को नियामकीय फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि कंपनी की उत्पादों की बिक्री से आय जनवरी-मार्च तिमाही में 3.67 फीसदी बढ़कर 5,447.64 करोड़ रुपये रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 5,254.43 करोड़ रुपये थी। कंपनी का मार्च तिमाही में कुल खर्च 4,307.76 करोड़ रुपये रहा। नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में 4.24 फीसदी बढ़कर 5,234.98 करोड़ रुपये रही, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 5,021.61 करोड़ रुपये थी। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन ने कहा, ''जनवरी-मार्च तिमाही में पेय पदार्थ और कन्फेक्शनरी में दहाई अंक की वृद्धि हुई है। हमारी घरेलू बिक्री 5,235 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई, जो किसी भी तिमाही में अब तक की सबसे अधिक बिक्री है।

अटारी-वाघा सीमा बंद, भारत-पाकिस्तान कारोबार होगा प्रभावित, पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा भी किए गए रद्द

नई दिल्ली। पहलगाम में 23 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने अटारी-वाघा सीमा को बंद कर दिया है। इसके साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं। यह न केवल व्यापार को धड़ल्ले से फिर से ठप कर देगा, बल्कि भारत-पाक संबंधों में भी नए बदलाव की आशंका को जगाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से व्यापार का इतिहास उतार-चढ़ावों से भरा है। कम से कम पांच वर्षों में व्यापार में गिरावट के बाद, 2023-24 में 3886 करोड़ रुपये का व्यापार दर्ज किया गया। माल आवाजाही में भी 2022-23 में 80 फीसदी की उछाल देखने को मिली। इस बंद के नतीजे में भारत में सोयाबीन, मुर्गियों का दाना, सब्जियां, लाल मिर्च, प्लास्टिक दाना और प्लास्टिक यार्न का निर्यात प्रभावित हो सकता है। वहीं, ड्राई फ्रूट्स, ड्राई डेट्स, जिप्सनम, सीमेंट, ग्लास, रॉक सॉल्ट और हर्ब्स का आयात प्रभावित हो सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार के बंद होने से दोनों देशों के उद्योगपति, किसान और व्यापारिक संगठनों को बड़ा नुकसान हो सकता है। इसे टालने के लिए दोनों देशों को संवाद में रहकर समाधान निकालने की जरूरत है।

क्रेडिफिन लिमिटेड ने इक्विटी और ऋण के मिश्रण के रूप में 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाए

कंपनी ने नए ऋणदाताओं को शामिल किया है और निवेशकों को वारंट जारी किया है

नई दिल्ली

क्रेडिफिन लिमिटेड (पहले पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड), भारत के मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध, एनबीएफसी है। इसका मुख्यालय जालंधर और इसका कॉर्पोरेट कार्यालय दिल्ली-एनसीआर में है। कंपनी ने घोषणा की है कि उसने इक्विटी और ऋण के रूप में 24.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर या 213.6 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। इसमें लगभग 6.7फीसदी इक्विटी और 93.3फीसदी ऋण शामिल है। इस पैसे का इस्तेमाल कंपनी द्वारा अपने परिचालन वाले क्षेत्रों में देखी जा रही जोरदार वृद्धि को निधि देने के लिए किया जाएगा। क्रेडिफिन एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है जो जमा स्वीकार नहीं करती और 1998 से भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत है। कंपनी अचल संपत्ति के बदले बंधक ऋण (संपत्ति के बदले ऋण या एलएपी) और ई-वाहनों को वित्तपोषण प्रदान करती है, मुख्य रूप से ई-रिक्शा, ई-लोडर और ईवी - दुपहिया वाहन। क्रेडिफिन ने पिछले 4 वर्षों में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करते हुए विकास की गति को तेज कर दिया है। यह मौजूदा कार्यालयों को मजबूत कर रहा है, तेजी से नए भौगोलिक क्षेत्र खोल रहा है और पारंपरिक ऋण चैनलों से पीछे छूट गए लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नए उत्पाद पेश कर रहा है। क्रेडिफिन लिमिटेड देश के वित्तीय समावेशन के दृष्टिकोण के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है और श्रृंखला में निचले खंड को व्यवहार्य वित्तीय समाधान प्रदान करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है और ऐसे व्यवहार्य वित्तीय समाधान लेकर आ रहा है जो प्रभाव डालते हैं। लगातार बढ़ते उत्पाद पोर्टफोलियो की जरूरतों के लिए धन की आवश्यकता निरंतर होगी और इसे पूर्ण करने के लिए, कंपनी ने इक्विटी और ऋण के रूप में 213 करोड़ रुपये से अधिक सफलतापूर्वक जुटाए हैं। ऋण मौजूदा कर्जदाताओं, नए कर्जदाताओं को शामिल करके और अन्य साधनों से जुटाया गया है। कुछ नए कर्जदाताओं में नॉर्दर्न आर्क कैपिटल, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, किसानधन एग्री फाइनेंशियल सर्विसेज, इलेक्ट्रॉनिका फाइनेंस लिमिटेड और मानवीय डेवलपमेंट एंड फाइनेंस शामिल हैं। क्रेडिफिन लिमिटेड के सीईओ शल्य गुप्ता कहते हैं, हमारे मौजूदा ऋणदाताओं ने हमारी पेशकशों में फिर से विश्वास जताया है और हमारी ताकत का स्तंभ बने हुए हैं। इसके अलावा, इस साल नए ऋणदाताओं में उद्योग के जाने-माने लोग शामिल हैं और हम भाग्यशाली हैं कि वे क्रेडिफिन क्रांति को आगे बढ़ाने, भारत के निर्माण और वंचित समुदायों की सेवा करने में हमारे साथ भागीदारी कर रहे हैं। मैं अपने 1700 मजबूत डीलर नेटवर्क, 700 सदस्यों की टीम का भी उतना ही आभारी हूं, जो इस विकास गति को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने आगे कहा, हम डिजिटल भुगतान के सच्चे समर्थक हैं और हमारे कुल संग्रह में से 80फीसदी से अधिक डिजिटल रूप से किए जाते हैं। यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे गर्व है और इसका श्रेय हमारे मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को जाता है। इस समय क्रेडिफिन के साथ काम कर रहे कुछ ऋणदाताओं में एसबीआई, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी, एसएमसी मनीवाइज, विवृति कैपिटल, एमएएस फाइनेंशियल सर्विसेज, श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस, यूनिकॉम फिनकॉर्प, विवृति एसेट मैनेजमेंट और एसके फाइनेंस शामिल हैं।

क्रेडिफिन लिमिटेड (पूर्व में पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड) के बारे में :

क्रेडिफिन लिमिटेड (पहले पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड) 1992 में निगमित, भारत के मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध, एनबीएफसी है। इसका मुख्यालय जालंधर में और कॉर्पोरेट कार्यालय दिल्ली-एनसीआर में है। कंपनी 1998 से भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत है। उत्पाद पोर्टफोलियो में अचल संपत्ति (एलएपी) के बदले सुरक्षित एमएसएमई बंधक ऋण और ई-वाहनों को वित्तपोषित करना शामिल है, मुख्य रूप से ई-रिक्शा, ई-लोडर और ईवी - दुपहिया वाहन। देश के 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में परिचालन वाली कंपनी क्रेडिफिन 200 से ज़्यादा स्थानों पर मौजूद है और 700 से ज़्यादा लोगों को रोज़गार देती है। क्रेडिफिन ने वित्त वर्ष 2024-2025 की अपनी तीसरी तिमाही को 312 करोड़ के एयूएम के साथ बंद किया।

एलटीआई आईमाइंडट्री का मुनाफा बढ़कर 1,129 करोड़ हुआ

मुंबई। एलटीआई माइंडट्री का वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में मुनाफा 2.53 प्रतिशत बढ़कर 1,128.6 करोड़ रुपये रहा। आईटी सेवा कंपनी ने कहा कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसने 1,100.7 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी मुनाफा बढ़कर, 4,602 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 4,585 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में राजस्व बढ़कर 9,771 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 8,893 करोड़ रुपये था। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि वर्तमान में वृहद आर्थिक परिवेश चुनौतीपूर्ण है। कंपनी के निदेशक मंडल प्रति शेयर 45 रुपये का लाभांश घोषित किया है। इसे शेयरधारकों के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा।

एलआईसी के नए प्रीमियम संग्रह में पांच प्रतिशत की मामूली वृद्धि

नई दिल्ली

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का नए कारोबार से प्रीमियम संग्रह मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान 5.1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 3.97 लाख करोड़ रुपये रहा। जीवन बीमा परिषद के आंकड़ों के अनुसार उद्योग ने इससे पिछले वित्त वर्ष में नए प्रीमियम के रूप में 3.77 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे। व्यक्तिगत नए कारोबार प्रीमियम में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1.49 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.66 लाख करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 2024-25 में नए कारोबार प्रीमियम के रूप में कुल 2.26 लाख करोड़ रुपये जुटाए, जिसमें व्यक्तिगत नए कारोबार से मिले 62,404.58 करोड़ रुपये शामिल है। वित्त वर्ष 2024-25 में एलआईसी ने 1.78 करोड़ नई पॉलिसी बेचीं।

नाबार्ड ने एग्री-फिनटेक कंपनी में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने एग्री फिनटेक स्टार्टअप 24म7 मनीवर्क्स कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। नाबार्ड ने कहा कि यह स्टार्टअप में नाबार्ड का पहला निवेश है, जो ग्रामीण भारत में डिजिटल परिवर्तन के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। 24म7 मनीवर्क्स कंसल्टिंग का प्रमुख प्लेटफॉर्म, ईकिसानक्रेडिट (ईकेसीसी), सहकारी बैंकों, पीएसीएस और आरआरबी के लिए डिजाइन किया गया एक पूरी तरह से डिजिटल ऋण प्रणाली है। ईकेसीसी प्लेटफॉर्म -भूमि रिकॉर्ड, आधार, ईकेवाईसी, कोर बैंकिंग सिस्टम और ई-पैक्स के साथ सहजता से एकीकृत होता है, जिससे ग्रामीण ऋण जीवनचक्र का स्वचालन संभव होता है।

एचयूएल का मुनाफा घटकर 2,457 करोड़ रुपए पर

दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का मुनाफा बीते वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 3.35 प्रतिशत घटकर 2,475 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 2,561 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। हालांकि, मार्च तिमाही में उत्पाद बिक्री से राजस्व 2.68 प्रतिशत बढ़कर 15,416 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 15,013 करोड़ रुपए था। मार्च तिमाही में एचयूएल का कुल खर्च 3.12 प्रतिशत बढ़कर 12,478 करोड़ रुपए रहा। कुल आय 3.48 प्रतिशत बढ़कर 15,979 करोड़ रुपए हो गई। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एचयूएल का शुद्ध लाभ 3.78 प्रतिशत बढ़कर 10,671 करोड़ रुपए हो गया। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2023-24 में यह 10,282 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की कुल आय 2.28 प्रतिशत बढ़कर 64,138 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले 62,707 करोड़ रुपए थी।

केंद्र ने भूमिगत कोयला खनन में तेजी लाने के लिए अग्रिम भुगतान से छूट दी

नई दिल्ली

केंद्र सराकर ने भूमिगत कोयला ब्लॉक के परिचालन में तेजी लाने के लिए गुरुवार को अग्रिम भुगतान से छूट देने जैसे नए प्रोत्साहन उपायों की घोषणा की। भूमिगत कोयला खनन को बढ़ावा देने से जुड़ा यह कदम देश के टिकाऊ कोयला उत्पादन अभियान के तहत उठाया गया है।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक भूमिगत कोयला खदानों के लिए राजस्व हिस्सेदारी का न्यूनतम प्रतीशत चार फीसदी से घटाकर दो फीसदी कर दिया गया है। इस कमी से पर्याप्त राजकोषीय राहत मिलेगी और वित्तीय रूप से भूमिगत परियोजनाओं व्यवहारिक होंगी। इसके साथ ही भूमिगत खनन उद्यमों के लिए अनिवार्य अग्रिम भुगतान की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। यह उपाय वित्तीय

बाधा को दूर करने के साथ ही निजी क्षेत्र से व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करेग, जिससे परियोजना के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

मंत्रालय के मुताबिक इन प्रोत्साहन उपायों के साथ भूमिगत कोयला ब्लॉक के लिए प्रदर्शन सुरक्षा पर मौजूदा 50 फीसदी छूट को बरकरार रखा गया है। यह सामूहिक रूप से प्रवेश सीमा को कम करता है और परियोजना क्रियान्वयन को भी सुचारू बनाता है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जोरदार मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार मजबूती बनी रही। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

चीन के साथ टैरिफ विवाद सुलझने की उम्मीद बन जाने से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 99.65 अंक यानी 1.88 प्रतिशत उछल कर 5,387.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 407.63 अंक यानी 2.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 16,708.05 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.21 प्रतिशत की

कमजोरी के साथ 39,522.58 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,403.18 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 155.89 अंक यानी 2.08 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,482.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 668.44 अंक यानी 3.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 21,961.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 250.26 अंक यानी 0.72 प्रतिशत उछल कर 35,118.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.26 प्रतिशत प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,842.22 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,649.42 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,279 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.42 प्रतिशत टूट कर 2,515.03 अंक के स्तर तक गिर गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल ये सूचकांक 278.96 अंक यानी 1.26 प्रतिशत फिसल कर 21,793.66 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,523.84 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.58 प्रतिशत लुढ़क कर 1,147.09 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,292.98 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

खिलाड़ियों को आवेदन की जरूरत नहीं,अब सरकार खुद देगी इनाम : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में डिजीलॉकर के माध्यम से खेल प्रमाणपत्र जारी करने के पहल की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च का भी उद्घाटन किया।

डॉ. मांडविया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार की हर खेल पहल खिलाड़ी-केंद्रित है। उन्होंने बताया कि नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2024, नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी 2024 और एज फ्रॉड के खिलाफ नेशनल कोड 2025 जैसे कदम सरकार की पारदर्शिता और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मांडविया ने ऐलान किया कि डिजीलॉकर से जुड़े खेल प्रमाणपत्र जल्द ही नेशनल स्पोर्ट्स रिपॉजिटरी सिस्टम से जोड़े जाएंगे। इससे खिलाड़ियों को सरकार द्वारा मिलने वाली नकद पुरस्कार राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से उनके बैंक खातों में सीधे मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अब खिलाड़ी को सरकार से इनाम पाने के लिए आवेदन नहीं करना पड़ेगा। जब पूरी दुनिया ने देखा है कि उसने पदक जीता है, तो फिर प्रमाण देने की जरूरत क्यों मांडविया ने 2036 ओलंपिक की मेज़बानी की तैयारी के रोडमैप का जिक्र किया और 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेज़बानी में भी रुचि दिखाई। उन्होंने %वन स्पोर्ट-वन कॉरपोरेट% नीति की घोषणा करते हुए बताया कि इससे खेल महासंघों को कॉरपोरेट सहयोग मिलेगा और पीपीपी मॉडल के तहत उच्च प्राथमिकता वाले खेलों के लिए ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र बनाए जाएंगे। ओलंपिक रजत पदक विजेता और मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्डी मीराबाई चानू ने सरकार की पहल की सराहना करते हुए कहा, अब हमें जरूरी दस्तावेज के लिए घर भागने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। डिजीलॉकर से प्रमाणपत्र मिलना हम जैसे खिलाड़ियों के लिए बड़ी राहत है।

न्यूज ब्रीफ

फेडरेशन कप 2025: विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में बनाया नया रिकॉर्ड

कोच्चि। तमिलनाडु की 26 वर्षीय ओलंपियन विथ्या रामराज ने बुधवार को 28वीं राष्ट्रीय फेडरेशन

एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में नया मीट रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 56.04 सेकंड का समय निकालते हुए पिछले 6 वर्षों से कायम रिकॉर्ड को तोड़ा और दूसरे स्थान पर रहीं अनु राघवन से 2 सेकंड से अधिक का अंतर रखा। विथ्या ने एशियन गेम्स में पी.टी. उषा के 41 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी (55.42 सेकंड) की थी और अब वह इसे तोड़ने के लिए तैयार दिख रही हैं। उनका कहना है, अगर रेस एक दिन बाद होती तो मैं 54 सेकंड के भीतर दौड़ जाती। मेरा लक्ष्य है इस साल 54 सेकंड का समय निकालना। पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में यशस की बेस्ट परफॉर्मेंस कर्नाटक के पी. यशस ने पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 49.32 सेकंड के साथ जीत दर्ज की, लेकिन एशियन चैंपियनशिप के लिए तय 49.19 सेकंड के क्वालिफिकेशन मार्क से चूक गए। ट्रिपल जंप में निहारिका वशिष्ठ का गोल्डन कमबैक महाराजा स्टेडियम के एक अन्य कोने में, पंजाब की नेशनल गेम्स चैंपियन निहारिका वशिष्ठ ने आखिरी राउंड में 13.49 मीटर की शानदार छलांग लगाकर केरल की सैंड्रा बाबू को मात्र 1 सेमी से पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल जीता। इंस्टाग्राम पर 2.4 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स वाली निहारिका ने दो साल के डोपिंग बैन के बाद फरवरी 2022 में वापसी की थी और अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत दिख रही हैं। उन्होंने एक साल में अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन में 40 सेमी से अधिक का सुधार किया है।

फेडरेशन कप: ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवाल ने की अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली। ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवाल ने गुरुवार को कोच्चि में फेडरेशन कप के दौरान अपने ही

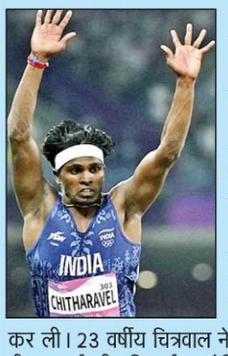

राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। चित्रवाल ने महाराजा कॉलेज स्टेडियम में 17.37 मीटर की छलांग दर्ज की, जिससे उन्होंने 2023 में क्यूबा के हवाना में होने वाले प्रूबा डे कॉन्फ्रॉन्टेसियन इवेंट में बनाए गए अपने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 23 वर्षीय चित्रवाल ने इस प्रयास के साथ ही इस वर्ष की एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफिकेशन हासिल कर लिया है। तमिलनाडु के इस जम्पर ने प्रतियोगिता से हटने से पहले फेडरेशन कप में अपनी दूसरी छलांग के साथ कीर्तिमान स्थापित किया।

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित,अनामुल हक की तीन साल बाद वापसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी)ने बुधवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह मुकाबला 28 अप्रैल से चटगांव के बीर श्रेष्ठ फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतीउर रहमान स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम में दो बदलाव किए गए हैं, जिनमें सबसे बड़ी वापसी अनामुल हक की है, जो करीब तीन साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। अनामुल हक इस समय ढाका प्रीमियर डिवीजन क्रिकेट लीग में शानदार फॉर्म में हैं और हाल ही में वह मान्यता प्राप्त क्रिकेट में 50 शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बने हैं। 32 वर्षीय अनामुल ने पिछली बार साल 2022 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। टीम से बाहर किए गए ज़ाकिर हसन को पहले टेस्ट में मौका नहीं मिला था, और अब उन्हें पूरी तरह से ड्रॉप कर दिया गया है। टीम में दूसरा बदलाव तेज गेंदबाज नाहिद राणा की जगह हुआ है, जिन्हें पीएसएल में पेशावर ज़ल्मी की ओर से खेलने की संभावना है। उनकी जगह बाएं हाथ के स्पिनर तनवीर इस्लाम को शामिल किया गया है, जो अब तक टेस्ट में डेब्यू नहीं कर पाए हैं। दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है: नजमुल हसन शान्तो (कप्तान), महमुदुल हसन जॉय, शादमान इस्लाम, अनामुल हक बिजॉय, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, महिदुल इस्लाम भुइयां अंकन, जाकेर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), तैजुल इस्लाम, नईम हसन, तनवीर इस्लाम, हसन महमूद, सैयद खालेद अहमद, तंजीम हसन शाकिब।

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए घोषित किया 54 सदस्यीय संभावित कोर ग्रुप

नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को आगामी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 54 खिलाड़ियों के संभावित कोर ग्रुप की घोषणा की है। यह कैंप 25 अप्रैल से बेंगलुरु स्थित साई सेंटर में शुरू होगा।

हाल ही में उत्तर प्रदेश के झांसी में संपन्न हुई 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के प्रदर्शन के आधार पर इन खिलाड़ियों का चयन किया गया है। यह कैंप 25 से 30 अप्रैल तक चलेगा, जिसके बाद प्रदर्शन के आधार पर इस ग्रुप को घटाकर 40 खिलाड़ियों तक कर दिया जाएगा। चयनित 40 खिलाड़ी 1 मई से 25 मई 2025 तक कैंप के अगले चरण में भाग लेंगे। इस 54 सदस्यीय दल में से 38 खिलाड़ी पहले से ही कोर ग्रुप का हिस्सा रहे हैं, जबकि शेष खिलाड़ियों को राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर बुलाया गया है। इन नए चेहरों में हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी महाराष्ट्र, हॉकी पंजाब, यूपी हॉकी, हॉकी बंगाल और मणिपुर हॉकी से खिलाड़ी शामिल हैं।

पहले से कोर ग्रुप में शामिल खिलाड़ियों के नाम

कृष्ण बी पाठक, सूरज करकेरा, पवन, मोहित होन्नेनहल्लि शशिकुमार, अमित रोहिदास, वरुण कुमार, जुगराज सिंह, नीलम संजीव ज़ेस, अमनदीप लाकड़ा, हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, संजय, यशदीप सिवाच, मोहम्मद रहील मौसिन, राज कुमार पाल, नीलकंता शर्मा, हार्दिक सिंह, सुमित, मोइरांगथेम रबिचंद्र सिंह, पूवन्ना चंदूरा बोबी, राजिंदर सिंह, विष्णु कांत सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, शमशेर सिंह, गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, आदित्य अर्जुन लालगे, बोबी सिंह धामी, सेल्वम कार्ति, सुनील जोजो, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सुदीप चिरमाको और अंगद बीर सिंह।

नए खिलाड़ी

संजय बी, अंकित मलिक, प्रताप लाकड़ा, परमोद, धनवड़े मयूर, अली अहमद, आकिब रहीम, अर्जुन शर्मा, यूसुफ अफ्फान, लैश्राम दीपु सिंह, वेंकटेश केंचे, गुरसाहिबजीत सिंह, प्रदीप सिंह, रवि, उत्तम सिंह और मनिंदर सिंह।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, इस कैंप का मुख्य उद्देश्य है खिलाड़ियों को फिर से मैदान और जिम में लाकर उनकी मूलभूत तैयारियों को मजबूत करना। हम सीनियर खिलाड़ियों, रिर्जव और कुछ युवा चेहरों का मेल लेकर चल रहे हैं। यह कैंप नए खिलाड़ियों को आजमाने का एक अच्छा मौका है, साथ ही यह भी देखने का कि सीनियर खिलाड़ी किस स्तर पर हैं। उन्होंने आगे कहा, जून में होने वाली प्रो लीग के आखिरी चरण को ध्यान में रखते हुए फिटनेस इस कैंप का एक बड़ा फोकस रहेगा। यह कैंप हर स्तर पर—फिजिकल, गेम प्लान और मेंटल फिटनेस के लिए चुनौतीपूर्ण होगा।

युवा खिलाड़ियों की भूमिका पर उन्होंने कहा, हम इस बार नए और जूनियर टैलेंट को नज़दीक से देखने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन साथ ही सीनियर ग्रुप की स्थिरता और संरचना को भी मजबूत करना जरूरी है। अनुभव और युवा जोश का संतुलन इस कैंप की सबसे बड़ी खूबी होगी। कोच फुल्टन ने बताया कि प्रो लीग से पहले कोई आधिकारिक टूर्नामेंट तो नहीं होगा, लेकिन टीम आयरलैंड में एक ट्रेनिंग कैंप लगाएगी। वहां तीन फ्रेंडली मैच खेले जाएंगे, जो प्रो लीग की तैयारी के लिए अहम होंगे।

खालसा एलुमनी और श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज ने दर्ज की जीत

नई दिल्ली

पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट में हॉकी के पुरुष वर्ग के अंतिम लीग मैच में एसजीटीबी खालसा कॉलेज एलुमनी ने हंसराज कॉलेज को 2-1 से हरा दिया। खालसा कॉलेज एलुमनी की तरफ से सूरज ने 2 गोल और हंसराज कॉलेज से एकमात्र गोल सागर ने किया। प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड हंसराज कॉलेज के खिलाड़ी सागर को मिला।

इसी तरह महिला वर्ग के राउंड रोबिन लीग मैच में श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज ने भारती कॉलेज को 4-0 से हराया। श्रुति, मनीषा, सोनिया और अंजलि ने एक- एक गोल किया। प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड विजय टीम की अंशु को मिला।

सेमीफाइनल मुकाबले तय

बास्केटबॉल टूर्नामेंट के महिला वर्ग के सेमीफाइनल में रामजस कॉलेज का गार्गी कॉलेज के साथ और लेडी श्रीराम कॉलेज का श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के साथ मुकाबला होगा। पुरुष वर्ग में एसजीटीबी खालसा कॉलेज का हंसराज कॉलेज और एसजीटीबी खालसा कॉलेज एलुमनी का किरोड़ी मल कॉलेज से मुकाबला होगा।

हॉकी के पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में एसजीटीबी खालसा कॉलेज का मैच एसजीटीबी खालसा कॉलेज एलुमनी से और श्याम लाल कॉलेज का इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज से मुकाबला होगा।

अय्यर और ईशान को केंद्रीय अनुबंध मिलना खुशी की बात: शास्त्री

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को केन्द्रीय अनुबंध दिया जाना खुशी की बात है। पिछले साल घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण इन दोनो को केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। वहीं अब उन्हें एक बार फिर 2024/25 सत्र के लिए शामिल कर लिया गया है। शास्त्री ने कहा, मुझे लगा कि श्रेयस और ईशान फिर से टीम में देखना अच्छा रहेगा, क्योंकि जो कुछ हुआ वह टीम प्रबंधन, बीसीसीआई और इसमें शामिल व्यक्तियों के बीच था। मुझे खुशी है कि आपसी बातचीत के बाद ये मामला हल हो गया जिससे एक बार फिर इन दोनो को अनुबंध मिला है। विशेष रूप से श्रेयस ने जिस तरह से पिछले डेढ़ साल में खेला है उसको देखते हुए ये अनुबंध उन्हें मिलना ही था। शास्त्री ने कहा, उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन ने दरवाजा खटखटाया पर उन्हें फटकार लगाई गई। उन्हें कई बार ऐसी फटकार लगाई गई, जिसकी जरूरत होती है पर मुझे खुशी है कि सब ठीक है। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस टूर्नामेंट में उन्होंने 48.6 की औसत से 243 रन बनाए जिससे टीम चौथे नंबर पर रही। अय्यर अभी आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं, जहां उन्होंने 8 मैचों में 43.83 की औसत से 263 रन बनाए हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने नई एमएलसी फ्रेंचाइजी के साथ की रणनीतिक साझेदारी की घोषणा

वेलिंगटन

न्यूज़ीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने संयुक्त राज्य अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) की एक आगामी टीम के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह टीम वर्ष 2027 में अपना पदार्पण करेगी और इसका स्वामित्व टू नॉर्थ स्पोर्ट्स वेंचर्स नामक समूह के पास है, जिसका संचालन एमएलसी के सह-संस्थापक समीर मेहता और विजय श्रीनिवासन कर रहे हैं। इस समूह में अमेरिका की राष्ट्रीय फुटबॉल लीग (एनएफएल) की टीम सैन फ्रांसिस्को 49र्स की निवेश शाखा भी भागीदार होगी।

क्रिकेट संचालन की ज़िम्मेदारी एनजेडसी के पास इस समझौते के अंतर्गत एनजेडसी न केवल टीम में अंशधारक बनेगा, बल्कि उसके क्रिकेट संचालन, खिलाड़ियों के विकास और उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों की ज़िम्मेदारी भी संभालेगा। इसके लिए प्रशिक्षकों, अनुबंधित खिलाड़ियों और घरेलू क्रिकेट प्रणाली का समन्वय किया जाएगा।

एनजेडसी के प्रमुख कार्यकारी अधिकारी स्कॉट वीनींक ने एक आधिकारिक बयान में कहा, इस साझेदारी से हमें सेवाएं देने के लिए भुगतान प्राप्त होगा और अमेरिकी क्रिकेट के साथ-साथ हमारे अपने क्रिकेट ढांचे में निवेश का अवसर मिलेगा।

टीम के सह-मालिक समीर मेहता ने बताया कि एक प्रसिद्ध फिल्मी सितारे के साथ भी बातचीत चल रही है। उन्होंने एनजेडसी को उच्च प्रदर्शन में विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्था बताया और कहा कि अमेरिका जैसे सीमित प्रतिभा वाले क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता अत्यंत लाभदायक होगी। इसके साथ ही 49र्स की व्यावसायिक विशेषज्ञता से ब्रांड प्रचार, प्रायोजन और व्यापारिक वस्तुओं के क्षेत्र में भी सहायता मिलेगी।

एनजेडसी की आर्थिक रणनीति और एमएलसी का उपयोग

एनजेडसी ने इस समझौते को अपनी पांच-वर्षीय रणनीति का हिस्सा बताया है, जिसका उद्देश्य आय के स्रोतों को विविध बनाना है। सुपर स्मैश प्रतियोगिता की गुणवत्ता के बावजूद न्यूज़ीलैंड का सीमित बाजार और अनुकूल प्रसारण समय की कमी इसके राजस्व को सीमित रखती है। इसलिए एमएलसी में भागीदारी को एक स्वतंत्र आर्थिक अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा के न्यौते को ठुकराया, एशियन चैंपियनशिप की तैयारी में जुटे

नई दिल्ली

पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा के जेवलिन इवेंट एनसी क्लासिक में भाग लेने से इनकार कर दिया है। यह फैसला उन्होंने आगामी एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारी को प्राथमिकता देते हुए लिया है। हालांकि, उन्होंने नीरज के निमंत्रण के लिए उनका आभार जताया है। 24 मई को बेंगलुरु में आयोजित होने वाले नीरज चोपड़ा क्लासिक में अरशद नदीम की गैरमौजूदगी रहेगी।

नदीम ने बुधवार को एक बयान में कहा, एनसी क्लासिक इवेंट 20 से 24 मई के बीच है, जबकि मैं 22 मई को कोरिया रवाना हो रहा हूं। वे 27 से 31 मई तक कोरिया के गुमी शहर में होने वाली एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारी में जुटे हैं।

नीरज ने भेजा था व्यक्तिगत निमंत्रण

इससे पहले सोमवार को नीरज चोपड़ा ने मीडिया से बातचीत में बताया था कि उन्होंने अर्शद को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया है। नीरज ने कहा, मैंने अरशद को निमंत्रण भेजा था। उन्होंने कहा था कि कोच से बात कर के जवाब देंगे।

स्टार एथलीट्स से सजा रहेगा एनसी क्लासिक

नीरज चोपड़ा क्लासिक के पहले संस्करण में कई दिग्गज एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता थॉमस रोहलर, केन्या के 2016 रियो ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट जूलियस येगो और अमेरिका के करंट सीज़न लीडर कर्टिस थॉम्पसन (87.76 मीटर) की भागीदारी तय है।

वर्ल्ड एथलेटिक्स से मिला कैटेगरी ए का दर्जा

इस प्रतिष्ठित इवेंट को वर्ल्ड एथलेटिक्स की तरफ से कैटेगरी 'ए' का दर्जा मिला है। इसे नीरज चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स के साथ मिलकर आयोजित किया जा रहा है।

आईपीएल 2025 : मुंबई इंडियंस ने लगातार चौथा मैच जीता, हैदराबाद को 7 विकेट से दी पटखनी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 41वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 26 गेंद शेष रहते 7 विकेट से हरा दिया। लगातार चार मैचों में मिली जीत के साथ मुंबई की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई के नौ मैच में 5 जीत के साथ 10 अंक हो गए हैं। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को धारदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन खर्च कर 4 विकेट अपने नाम किए। हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मुंबई को 144 रन के लक्ष्य मिला था, जिसे उसने 16वें ओवर में बना लिया। मुंबई के लिए रोहित शर्मा ने शानदार 70 रन बनाए। अपनी पारी में रोहित ने 8 चौके और तीन छक्के जड़े। रोहित के अलावा, सूर्यकुमार यादव के नाबाद 40 रन की अहम पारी रही। वहीं, विल जैक्स के 22 रन और रियान रिकल्टन ने 11 रन का योगदान दिया।

एलईडी बल्ब से भी चला सकेंगे इंटरनेट!

अभी तक तो आप वाईफाई आदि माध्यमों से इंटरनेट एक्सेस कर रहे हैं लेकिन भविष्य में आप एलईडी बल्ब से भी इंटरनेट एक्सेस कर सकते हैं। जी हां यदि लाई फाई का बडे पैमाने पर प्रयोग होने लगा, तो वह दिन दूर नहीं जब एलईडी बल्ब से रोशनी के साथ ही इंटरनेट एक्सेस भी कर सकेंगे। यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के प्रोफेसर हराल्ड हास ने वर्ष 2011 में लाई फाई यानी लाइट फेडलिटी शब्द का इस्तेमाल किया था। प्रोफेसर हास ने विप्रो के इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी कैंपस में बुधवार को इस नई टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी दी। प्रोफेसर हास ने यहां लाई फाई का प्रयोग करके भी दिखाया। एलईडी बल्ब से वेब एक्सेस करके इंटरनेट के एक वीडियो को लैपटॉप में भेजकर दिखाया। लाई फाई टेक्नोलॉजी में जिस किसी के पास लाइट है, वह इंटरनेट का उपयोग कर सकता है। इस सिस्टम में यूजर एक लाइट सोर्स से दूसरे लाइट सोर्स में बिना नेटवर्क कनेक्शन के टूट सकता है। लाई फाई में एलईडी बल्ब में एक माइक्रोचिप लगाई जाती है।

तेज बुखार से कैसे पाएं राहत

जब हमारे शरीर पर कोई बैक्टीरिया या वायरस हमला करता है तो शरीर खुद ही उसे मारने की कोशिश करता है। शरीर जब अपना तापमान सामान्य 98.3 डिग्री फॉरनहाइट से ज्यादा बढ़ाता है तो उसे बुखार कहा जाता है। ऐसे में 100 डिग्री तक बुखार में किसी दवा आदि की जरूरत नहीं होती, लेकिन बुखार इसी रेंज ज्यादा दिन तक लगातार बना रहे तो इलाज की जरूरत होती है।

बच्चों में त्वचा संबंधी दिक्कतें

बच्चों की त्वचा इतनी नाजुक होती है कि हल्की-सी खरोंच या रैश उन्हें बहुत ही परेशानी वाली स्थिति में डाल देती है। याद रखें कि नवजन्मे बच्चों में रैशेज का खतरा अधिक रहता है। ऐसे रैशेज में से अधिकतर नुकसानदायक नहीं होते और कुछेक दिनों के अंतराल पर चले जाते हैं, फिर भी बच्चों की त्वचा संबंधी कुछ समस्याएं हैं जिन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

डाइपर रैश: इस अपरिहार्य समस्या के कारण बच्चे को और माता-पिता को रात भर जागना पड़ सकता है। बच्चे के डाइपर वाले हिस्से की अक्सर जांच करते रहना पड़ती है। यदि वहां पर लाली महसूस हो तो तुरन्त डाइपर रैश क्रीम लगाएं और उस हिस्से को जितना संभव हो सके खुला और सूखा रखें। इस बात को तय करें कि डाइपर न तो बहुत ढीला हो और न ही इसे बच्चे को लंबे समय तक पहनाया जाए। जब जरूरत समझें तब इसे बदल दें।

मुहांसे: बच्चे के चेहरे पर दिखने वाले छोटे-छोटे मुहांसे एक बहुत ही आम समस्या है और ये कुछ ही दिनों में चले जाते हैं। इन पर कुछ भी लगाने से पूरी तरह परहेज करें।

बर्थ मार्क्स: बर्थ मार्क्स बच्चों में बहुत ही आम होते हैं। जब बच्चा पैदा होता है तब और जन्म के कुछ हफ्तों या महीनों तक ये निशान रह सकते हैं।

एग्जीमा: जिन बच्चों के परिवार में अस्थमा या एलर्जी की हिस्ट्री होती है, उनमें खुजली पैदा करनेवाली एग्जीमा की समस्या अधिक पाई जाती है। यह आम तौर पर चेहरे पर उभरती है परन्तु इसे अक्सर इसे कोहनियों, छाती या बांहों पर भी पैदा होते देखा जाता है। धीरे-धीरे यह सूखी और खुरदरी हो जाती है। इस किस्म के रैश आमतौर पर साबुनों, लोशनों या बच्चे के कपड़े धोने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिटर्जेंट के एलर्जिक रिएक्शन के तौर पर भी बढ़ते हैं।

सूखी त्वचा: अधिकतर नवजन्मे बच्चे रूखी त्वचा के साथ पैदा होते हैं। उनके जन्म के कुछ दिनों बाद यह त्वचा खुद ही उतरने लगती है। यह आम तौर पर जल्दी ही रुक जाती है परन्तु इसके कारण यदि आपको चिंता हो तो किसी जच्चा-बच्चा विशेषज्ञ से अवश्य सलाह लें।

घमौरियों वाले रैश

ये हल्के गुलाबी-लाल रंग वाले धब्बे पसीने के कारण पैदा होते हैं और गर्दन, डाइपर वाले हिस्से तथा बगलों में दिखाई देते हैं। जितना संभव हो सके अपने बच्चे को कूल और सूखा रखें। उसे ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनाएं। बच्चे की त्वचा पर पाऊडर के अधिक उपयोग से बचें। बेबी पाऊडर के छोटे-छोटे दाने सांस के द्वारा बच्चे के अंदर जा सकते हैं, जिससे उन्हें असुखद महसूस हो सकता है। जब तक आपका बच्चा 4 से 6 महीने तक का न हो जाए तब तक उसके शरीर पर पाऊडर का इस्तेमाल करने से बचें।

रेयर डिजीज से बचाएं बच्चों को...

दुर्लभ बीमारियों के शिकार अक्सर छोटे और कम उम्र के बच्चे होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के शरीर में किसी भी तरह की अजीब हरकत या असाधारण व्यवहार जैसे अगर बच्चे का विकास न हो रहा हो, वह ज्यादा चिड़चिड़ा रहने लगा हो, उसे दौरे आते हों, शरीर से अजीब-सी गंध आती हो, बालों के रंग में बदलाव होने लगे, देखने में परेशानी हो, उम्र के हिसाब से उसमे विकास दिखाई न दे तो फौरन डॉक्टर से संपर्क कर आवश्यक जांचें करा लेनी चाहिए। रेयर डिजीज यानी दुर्लभ बीमारियां उन्हें माना जाता है, जो कभी-कभार ही देखने को मिलती हैं, लेकिन बच्चों को लेकर हमाशा जागरूक रहने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ऐसी बीमारियां 10 हजार में से छह लोगों में ही देखने को मिलती हैं। इनमें से ज्यादातर बीमारियां आनुवांशिक होती हैं। इनसे ग्रसित बच्चों में से 30 प्रतिशत बच्चे 5-7 वर्ष की उम्र से पहले ही मौत का शिकार हो जाते हैं। दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास प्रभावित होता है। एक ही परिवार में कई लोगों को एक जैसा विकार हो सकता है। इसलिए इन दुर्लभ बीमारियों को जन्म के शीघ्र बाद ही पहचान कर इलाज करा लेना चाहिए। फिलहाल इन बीमारियों के इलाज के लिए जीन थैरेपी, एंजाइम थैरपी व स्टेम सेल ट्रीटमेट पर शोध किया जा रहा है। कुछ दुर्लभ बीमारियां ऐसी भी हैं जो इन दिनों बहुत देखने में आ रही हैं।

एकोन्ड्रोप्लेसिया

एकोन्ड्रोप्लेसिया बीमारी एक दुर्लभ बीमारी है जो 25 हजार में से किसी एक बच्चे को होती है। ऐसे बच्चों की लंबाई बहुत कम रह जाती है। इन बच्चों का चेहरा बीच से छोटा व नाक चपटी होती है। इनकी रीढ़ की हड्डी ज्यादा झुकी हुई होती है। कान में बार-बार संक्रमण का खतरा रहता है और सिर में पानी भरने की आशंका भी रहती है। इसके इलाज के लिए जीन थैरपी व सीएनपी दवा का प्रयोग किया जा रहा है। हालांकि अभी तक इसमें सफलता नहीं मिली है।

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी मांसपेशियों की बीमारी है जो सिर्फ लड़कों में ही दिखाई देती है। इस बीमारी में एक्स क्रोमोसोम में डिस्ट्रोफिन जीन विकार हो जाता है। इस रोग के लक्षण बच्चों में 2-3 साल के बाद दिखने लगते हैं। सबसे पहले पैरों की मांसपेशियां कमजोर होती हैं फिर 10 वर्ष की उम्र तक बच्चा चलना-फिरना बंद कर देता है। ऐसे बच्चों का दिमागी व सामान्य विकास भी प्रभावित होता है। इसके लिए स्टेम सेल या जीन थैरेपी पर प्रयोग चल रहे हैं।

प्रुन बैली सिन्ड्रोम

प्रुन बैली सिन्ड्रोम 40 हजार में से एक बच्चे में देखने को मिलती है। यह बीमारी ज्यादातर लड़कों को होती है। इन बच्चों की मुख्य समस्या पेशाब के रास्ते में रूकावट से होती है। इनके पेट के ऊपर की मांसपेशियां पूर्णतया विकसित न होने से पेट आगे निकला होता है और इनके टेस्टीज भी पेट में होते हैं।

पेशाब में रूकावट की वजह से इनको बार-बार पेशाब में संक्रमण होने का खतरा रहता है और इनके गुर्दे भी प्रभावित होते हैं। इस बीमारी की मुख्य वजह सी एच आर एम 3 जीन का विकार होता है। इसके उपचार के लिए पेशाब के रास्ते की रूकावट का इलाज करना पड़ता है व टेस्टीज को पेट से नीचे लाकर उनके स्थान यानी स्क्रोटम में पहुंचाना पड़ता है।

आवश्यक जांचें कराएं

नवजात शिशुओं में दुर्लभ बीमारियों का समय रहते पता लगाने के लिए विशेष जांच प्रक्रियाएं हैं। प्रसव के बाद नवजात शिशु के शरीर से खून की कुछ बूंदे फिल्टर पेपर पर ले ली जाती हैं और कई बीमारियों के लिए टेस्ट किया जाता है। इसका प्रयोग कई दुर्लभ, आनुवांशिक एवं मेटाबॉलिक डिजीज का पता लगाने के लिए किया जाता है। सभी नवजात बच्चों में जन्मजात थायरॉइड की कमी, कन्जानाइटल एड्रिनल हाइपरप्लेसिया, जी-6 पीडी की कमी, ग्लेक्टोसीमिया और बायोटिनीडेज की कमी की जांचें करवा लेनी चाहिए। इन सबके अलावा बच्चों में कोई भी असाधारण लक्षण देखकर तुरंत डॉक्टर की मदद लें।

प्रोजिरिया

प्रोजिरिया में बचपन में ही बच्चा बूढ़ा दिखने लगता है। इस बीमारी की आशंका 80 लाख बच्चों में से किसी एक को होती है। यह बीमारी एलएमएनए जीन में बदलाव से होती है। जन्म के बाद इन बच्चों का वजन अपनी उम्र के अन्य बच्चों की तुलना में कम बढ़ता है और चमड़ी मोटी हो जाती है, बाल झड़ने लगते हैं, दिखना कम हो जाता है और चेहरे पर झुर्रियां पड़ जाती हैं। त्वचा के नीचे वसा व मांसपेशियां कम हो जाती हैं। ये लक्षण 6-7 साल की उम्र तक दिखने लग जाते हैं। इस रोग के उपचार के लिए मोरफालिनोस लोनाफार्निब, रेपामाइसिन, ग्रोथ हार्मोन आदि दवाओं का उपयोग किया जाता है लेकिन अभी इसके इलाज में पूर्णतया सफ लता नहीं मिल पाई है।

फिनाइल किटोन यूरिया

फिनाइल किटोन यूरिया एक आनुवांशिक बीमारी है। बच्चों में एंजाइम्स की कमी होने पर वह अमीनो एसिड पचा नहीं पाते और जब यह शरीर में एकत्र होता रहता है तो फिनाइल किटोन यूरिया की समस्या हो जाती है। इस बीमारी में नवजात जन्म के समय सामान्य होता है। अमीनो एसिड के जमा होने से धीरे-धीरे नवजात का विकास रूक जाता है, दिमागी कमजोरी आती है और पेशाब में गंध आने लगती है। यदि इस रोग का समय रहते पता चल जाए तो बच्चे का विकास सामान्य हो सकता है। इससे बचने के लिए अमीनो एसिड रहित विशेष प्रकार का दूध दिया जाता है। यह मार्केट में आसानी से उपलब्ध होता है।

जन्मजात थायरॉइड की कमी

जन्मजात थायरॉइड की कमी थायरॉइड हार्मोन की कमी से होती है। इसके लक्षण हैं ज्यादा सोना, पीलिया, शरीर का तापमान कम होना और थकावट आदि। इसके इलाज के लिए थायरॉइड की दवाएं दी जाती हैं।

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी यह रोग बायोटिन यानी विटामिन- बी7 की कमी के कारण होता है। इसमें व्यावहारिक व दिमागी क्षमता में कमी, दौरे आना, दस्त, त्वचा रोग, बार-बार संक्रमण, शारीरिक कमजोरी व बाल झड़ना यह लक्षण पाए जाते हैं। इसका इलाज है विटामिन- बी7 दवा।

गेलेक्टोसीमिया

गेलेक्टोसीमिया एक आनुवांशिक बीमारी है जो कि गेलेक्टोसकाइनेस एंजाइम की कमी से होती है। इसमें नवजात का शरीर सामान्य शुगर को पचा नहीं पाता। इसके लक्षण हैं दौरा आना, थकावट, वजन नहीं बढ़ना, पीलिया, उल्टी और कम खाना। ऐसे बच्चों को सोया फॉर्मूला, दूध एवं दूध से बने उत्पाद का प्रयोग बंद कर देना चाहिए।

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा से ग्रस्त बच्चों में हड्डी वहां बनना शुरू हो जाती है, जहां सामान्यतया मांसपेशियां होती हैं। इसमें बच्चे के शरीर के विभिन्न हिस्सों में मांसपेशियों में गांठें दिखने लगती हैं और इसकी शुरुआत कभी-कभी छोटी चोट लगने के बाद होती है। ऐसे बच्चे 30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते चलने-फिरने में असमर्थ हो जाते हैं और बार-बार निमोनिया से ग्रसित होते हैं। इसके उपचार के लिए प्रेडनिसोलोन दवा का प्रयोग किया जाता है और बच्चे को बार-बार चोट लगने से बचाना होता है।

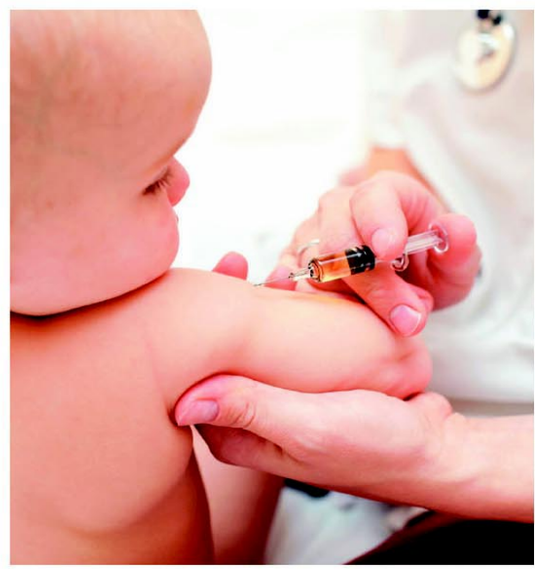

सिर्फ नमक का ज्यादा सेवन ही इस बीमारी के लिए जिम्मेदार नहीं

पोटैशियम के कम सेवन से भी हाई ब्लडप्रेशर

उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि कम मात्रा में पोटैशियम का सेवन भी आपको इसका मरीज बना सकता है। एक नए शोध में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि आहार में अधिक पोटैशियम ग्रहण करने वाली किशोरियों में बाद में रक्त चाप कम पाया गया।

सोडियम की मात्रा कम करने पर बल देना जरूरी नहीं

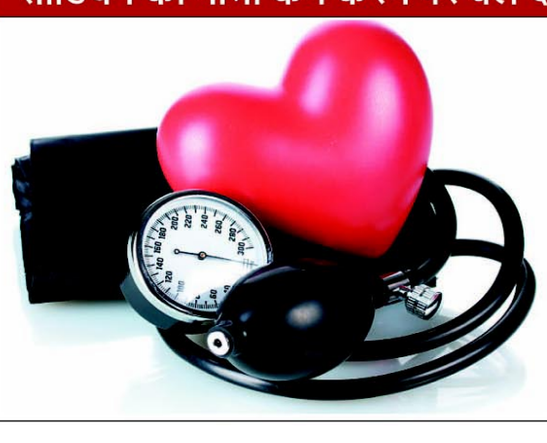

बोस्टन विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन के लीन मूरे ने कहा कि इसके विपरीत, रक्तचाप पर अकेले सोडियम का कोई प्रभाव नहीं दिखाई पड़ा, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर बच्चों तथा किशोरों के आहार में सोडियम की मात्रा कम करने की जरूरत पर बल देने की जरूरत नहीं।

...तो नहीं पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जो किशोरियां प्रतिदिन तीन हजार मिलीग्राम नमक का सेवन करती हैं, उनके रक्तचाप पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि जो किशोरियां प्रतिदिन 2,400 मिलीग्राम या उससे अधिक पोटैशियम का सेवन करती हैं, तो बाद में उनका रक्त चाप कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लोगों को दो हजार मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करने की सलाह देता है। शोधकर्ताओं ने किशोरावस्था के अंत में आहार में सोडियम व पोटैशियम का रक्तचाप पर दीर्घावधि तक प्रभाव का अध्ययन किया।

फिल्म *जाट* की कमाई में आई गिरावट 14वें दिन 1.09 करोड़ रुपए की कमाई

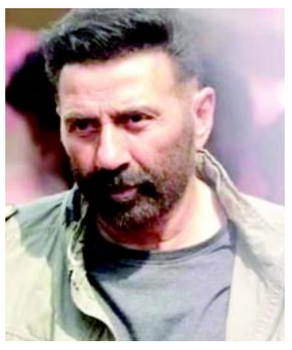

साउथ के प्रसिद्ध निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी के निर्देशन में बनी फिल्म *जाट* 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। खास बात यह रही कि इस फिल्म में सनी देओल लीड रोल में नजर आए हैं। फिल्म से दर्शकों और निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही। अब रिलीज के 14वें दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जो फिल्म की अब तक की सबसे कम कमाई मानी जा रही है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार फिल्म जाट ने अपने रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे बुधवार को 1.09 करोड़ रुपए की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन बढ़कर 79.22 करोड़ रुपए हो गया है। इस एक्शन ड्रामा में सनी देओल के सामने रणदीप हुड्डा मुख्य खलनायक के तौर पर नजर आ रहे हैं। रणदीप की दमदार परफॉर्मेंस को दर्शकों से काफी सराहना मिल रही है। विनीत कुमार सिंह ने भी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उनके अभिनय की भी खूब तारीफ हो रही है। बीते दिन सनी ने जाट के सीक्वल का ऐलान किया था। उन्होंने लिखा था कि अपने नए मिशन पर निकला जाट। *जाट 2* के लिए हो जाएं तैयार। रिपोर्ट्स की मानें तो सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद जाट ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो सकती है। फिल्म का प्रीमियर अगले महीने की शुरुआत तक हो सकता है। बॉक्स ऑफिस पर जाट का सामना अक्षय कुमार और आर माधवन की फिल्म *केसरी 2* से हो रहा है।

CONSULTATION WITH
APOLLO EXPERTS
PSYCHIATRY CLINIC @ GUWAHATI
Apollo HOSPITALS

Sunday, 27th April 2025

Apollo Hospitals
House No. 76,
Rajgarh Main Road,
Opp-Bylane - 10
Guwahati - 781003

DR. BHARGAV SIRIVELU
Psychiatrist, MBBS, MD (Psychiatry)
Apollo Hospitals, Chennai

Meet our expert, if you notice these symptoms:

- Sleep Disorders
- Bipolar Disorder
- Schizophrenia
- Headache
- Neurology
- Epilepsy Alcohol
- Depression
- Suicidal Ideas
- Smoking & other addiction
- Personality developement
- Anmer managements
- Sexual related problems in couples young men & women
- Child & adolescent psychological & behavioural problems
- Geriatric (old age) memory & psychological problems
- Fear
- Siress & counselling

For Appointments, Call: 8404037649 | 0361 - 3102166

ऑफिस के लिए आउटफिट सिलेक्शन

ऑफिस में अपना पर्सनल स्टाइल बनाए रखना बेहद जरूरी है। अपना एक अलग स्टाइल आपको ऑफिस में अलग पहचान दिलाता है। ऑफिस के लिए ड्रेसेज पूरी प्लानिंग से तैयार करें और इसमें वैरायटी रखें। इस बात का ध्यान रखें कि आपको स्टाइलिश के साथ ही प्रोफेशनल भी लगना है। तो आइए आज हम आपको बतातें हैं कि ऑफिस में आप किस तरह का आउटफिट इस्तेमाल करें।

अपनी पर्सनैलिटी को ध्यान में रखें

ऑफिस के लिए ड्रेस चुनते समय अपनी पर्सनैलिटी को ध्यान में अवश्य रखें। भारतीय महिलाओं का आज भी बेस्ट आउटफिट सलवार-कमीज ही है। इसमें वे बहुत सुंदर लगती हैं, लेकिन काम पर जाने के लिए पहनने से पहले आपको अपने स्किन कलर, हाइट और वेट को ध्यान में रखना जरूरी है। इस पर भी ध्यान दें कि आपको ऑफिस में आकर्षण का केंद्र नहीं बनना, बल्कि प्रोफेशनल लगना है। इसलिए ऑफिस में न तो हैवी और ब्राइट एम्ब्रायडरी वाले सूट पहनें और न ही ज्यादा फ्लेयर वाले सूट पहन कर जाएं। कुर्ते की लैंथ ज्यादा शॉर्ट रखने से भी बचें। स्कर्ट में आप स्टाइलिश और ग्लैमरस लग सकती हैं, यदि वह ढंग से कैरी की गई हो। यदि आपके ऑफिस में इस तरह के परिधान पहनने की अनुमति है, तो आप कलमकारी स्कर्ट पहन सकती हैं।

हमेशा ट्रेंड में रहती है साड़ी

इस बात का ध्यान रखें कि आप की स्कर्ट एंकल लैंथ की हो तथा इसे कन्ट्रास्ट में ट्यूनिक या शर्ट के साथ पहनें, जो आपके प्रोफेशनल लुक में वृद्धि करेगी। आप भले ही किसी भी ऑफिस में काम क्यों न करती हों, जींस पहनने पर कहीं भी प्रतिबंध नहीं है। इसके लिए इस बात का ध्यान रखें कि ऑफिस में टाइट टी-शर्ट की अपेक्षा कुर्ती या शर्ट के साथ इसे कैरी करें, जो आपको प्रोफेशनल इमेज प्रदान करेगी। फैशन कितना ही क्यों न बदले, लेकिन भारतीय साड़ी हमेशा ट्रेंड में रहती है। यदि आप इसे एक अच्छे ब्लाउज के साथ ढंग से ड्रेप करें, तो यह आपको बेमिसाल लुक देती है। आपकी ड्रेस आपका काम के प्रति व्यवहार दिखाती है, इसलिए यह ध्यान रखें कि साड़ी के साथ का ब्लाउज कैसा है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**